सांध्य दैनिक
मंगलवार
वर्षः 18 अंक : 216
11 नवम्बर 2025
पृष्ठ : 8
मूल्य 1.00 रूपये प्रति
प्रकाशन स्थल-देहरादून
RNI NO- UTTHIN/2008/25027
वेबसाईट - www.devpath.in
E-mail: devpath2018@gmail.com

डीएवीपी एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त

देवपथ

पैनी नज़र तीखी जुबां गहरा असर

सरकार का लक्ष्य जन समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण : सीएम

मुख्यमंत्री धामी ने जनता मिलन कार्यक्रम में सुनी जन समस्याएं

देहरादून, 11 नवम्बर (नि०स०)। राज्य रजत जयंती वर्ष उत्सव आयोजन के बाद मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने जनसंवाद तेज कर दिया है। इसी क्रम में उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से प्राप्त शिकायतों एवं मांगों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के साथ ही नियमित फीडबैक भी लिया जाए। उन्होंने कहा कि इस अवसर को हमें प्रशासन को जनता के और करीब ले जाने के रूप में इस्तेमाल करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य जन समस्याओं का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण करना है। इसके लिए प्रत्येक विभाग को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करते हुए जन अपेक्षाओं के अनुरूप सक्रिय और संवेदनशील व्यवहार अपनाना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए और शिकायत निवारण की प्रक्रिया को और अधिक सरल, पारदर्शी व तकनीकी माध्यमों से सुलभ बनाया जाए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य की रजत जयंती वर्ष जनभागीदारी और संवाद का अवसर है। इस दौरान जनता से प्राप्त सुझावों और मांगों को नीति निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि राज्य के हर नागरिक को विकास योजनाओं का सीधा लाभ जनता को जल्दी मिले। उन्होंने जनता से भी राज्यहित में रचनात्मक सुझाव देने और जनसेवा के प्रयासों में सहभागी बनने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्रत्येक नीति और निर्णय का मूल उद्देश्य जनता का हित और प्रदेश का समग्र विकास है।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधार में सशक्त बनकर उभरा उत्तराखंड

देहरादून, 11 नवम्बर (नि०स०)। राज्य स्थापना के बाद प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ी प्रगति हुई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के ठोस क्रियान्वयन व मॉनिटिरिंग का नतीजा है कि स्थानीय स्तर पर आम लोगों को उच्च गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया की जा रही है। आज उत्तराखंड मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधार, पोषण, टीकाकरण, संस्थागत प्रवस, रक्त संचरण सेवाओं और जन-जागरूकता के क्षेत्र में सशक्त बनकर उभरा है।

मातृ मृत्यु अनुपात में उल्लेखनीय कमी

स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आम लोगों तक होने से उत्तराखंड ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपब्धियां हासिल की है। राज्य में पिछले कुछ वर्षों में मातृ मृत्यु अनुपात में 12.5 प्रतिशत की गिरावट आई है, एस.आर.एस. 2021-23 रिपोर्ट के अनुसार एमएमआर घटकर 91 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है। जो स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार का बड़ा प्रमाण है। इसी प्रकार सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे 2023 के अनुसार राज्य की नवजात मृत्यु दर 14 प्रति हजार जीवित जन्म, शिशु मृत्यु दर 20 और पांच वर्ष से कम आयु की मृत्यु दर 23 प्रति हजार जीवित जन्म है। जो पूर्व की तुलना में कमी को दर्शाती है।

संस्थागत प्रसव को मिला बढ़ावा

प्रदेश में विभिन्न जन-जागरूकता अभियानों, आशा एवं एएनएम कार्यकत्रियों के सहयोग से गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिये प्रेरित किया गया। जिसके फलस्वरूप वर्तमान में प्रदेश में 95 फीसदी प्रसव संस्थागत कराये जा रहे हैं। इसके साथ गर्भवती महिलाओं को कई सुविधाएं भी दी जा रही है। जिसमें खुशियों की सवारी योजना भी शामिल है।

मातृ स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के लिये माह फरवरी 2025 में पल्स एनीमिया अभियान के तहत कुल 57 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं की एनीमिया जांच की गई। जबकि 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' के तहत हजारों महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की गई।

चिकित्सा के धाम बने आरोग्य मंदिर

राज्य में कांप्रेहिन्सिव प्राइमरी केयर कार्यक्रम के तहत सभी 13 जनपदों में 2059 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित किये जा रहे हैं। जहां पर प्रतिवर्ष लगभग 34 लाख से अधिक लाभार्थियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

आम लोगों ने उठाया स्वास्थ्य अभियानों का लाभ

राज्य में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों का लाभ आम लोग बखूबी उठा रहे हैं। विगत 03 वर्षों में 30 आयु वर्ग एवं इससे अधिक आयु के 28.80 लाख लाभार्थियों की उच्च रक्तचाप एवं शुगर की जांच आरोग्य मंदिरों की गई। इसके अलावा 28.4 लाख लाभार्थियों के मुख कैंसर, 13.1 लाख महिलाओं के स्तन कैंसर की जांच भी की गई। जबकि वर्तमान वित्तीय वर्ष में माह सितम्बर तक 10 लाख लाभार्थियों की हेल्थ स्क्रीनिंग कराई गई।

मजबूत हुई रक्त संचरण सेवा

प्रदेश में रक्त संचरण सेवा को खासी मजबूती मिली है। प्रदेश सभी जनपदों में रक्त कोषों की स्थापना की गई है। जिससे आपात स्थिति में लोगों को आसानी रक्त संबंधी समस्या से न जूझना पड़े ।वर्तमान में राज्य में 67 रक्तकोष स्थापित किये जा चुके हैं। इसके अलावा समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आम लोगों के द्वारा बड़ी मात्रा में स्वेच्छा से रक्तदान किया जा रहा है। इसके साथ ही लोगों से ऑनलाइन प्लेटफार्म पर भी पंजीकरण कराया जा रहा है।

दुबई रिटर्न 'नशेड़ी' स्नैचर 12 घंटे में सलाखों के पीछे

देहरादून, 11 नवम्बर (नि०स०)। विदेश की नौकरी छोड़कर नशे की लत पूरी करने भारत लौटे एक युवक को डोईवाला पुलिस ने सिर्फ 12 घंटे में गिरफ्तार कर स्नैचिंग की घटना का खुलासा कर दिया है। डोईवाला कोतवाली क्षेत्र में 10/11/2025 को एक बुजुर्ग महिला से पता पूछने के बहाने झपट्टा मारकर मंगलसूत्र का पेंडल छीनने की घटना हुई थी। एसएसपी देहरादून के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की मदद से तेजी से कार्रवाई की। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान 25 वर्षीय मनीष पंवार पुत्र पुरण सिंह निवासी भानियावाला के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि मनीष पिछले एक साल से दुबई में नौकरी कर रहा था और 10 दिन पहले ही घर लौटा था। नशे की लत पूरी करने के लिए उसने यह अपराध किया। पुलिस ने मनीष पंवार के कब्जे से चोरी किया गया मंगलसूत्र का पेंडल (कीमत लगभग 25,000) और घटना में इस्तेमाल की गई बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद कर उसे सीज कर दिया है।

उत्तराखंड को राष्ट्रीय स्तर पर मिले व्यापार सुधार कार्ययोजना के तहत पांच प्रमुख सुधार श्रेणियों में टॉप अचीवर्स पुरस्कार

देहरादून, 11 नवम्बर (नि०स०)। उत्तराखण्ड को व्यापार सुधार कार्य योजना BRAP 2024 के अंतर्गत पांच प्रमुख सुधार श्रेणियों में टॉप अचीवर्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जो देश में किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा प्राप्त सर्वोच्च संख्या है। मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित उद्योग समागम 2025 में व्यापार सुधार कार्य योजना 2024 BRAP 2024 के अंतर्गत उत्तराखंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देते हुए इस पुरस्कार की घोषणा की गई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा उत्तराखंड सरकार के उद्योग सचिव श्री विनय शंकर पांडे और महानिदेशक एवं आयुक्त उद्योग डॉ. सौरभ गहरवार को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद भी उपस्थित थे। उत्तराखंड को देश में व्यवसाय प्रवेश, निर्माण परमिट सक्षमकर्ता, पर्यावरण पंजीकरण, निवेश सक्षमकर्ता एवं श्रम विनियमन सक्षमकर्ता जैसे पाँच सुधार क्षेत्रों में सर्वोच्य उपलब्धि प्राप्त करने वाला राज्य माना गया है। जो उत्तराखंड की व्यवसाय सुगमता (ईओडीबी) यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यात्रा में 2015 में 23वें स्थान से लेकर BRAP 2024 के तहत सुधारों में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनने की यह महत्वपूर्ण यात्रा हैं। पुरस्कार प्राप्त करते हुए उद्योग सचिव श्री विनय शंकर पांडे ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल मार्गदर्शन एवं सतत पर्यवेक्षण में पांच सुधार क्षेत्रों में शीर्ष उपलब्धि प्राप्त करने वालों के रूप में मान्यता प्राप्त होना और राष्ट्रीय स्तर पर सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त करना उत्तराखंड के लिए गर्व का क्षण है।

सांध्य दैनिक
देवपथ
उत्तराखण्ड
देहरादून, मंगलवार 11 नवम्बर 2025 (2)

दिल्ली धमाके के मद्देनज़र पौड़ी पुलिस की विशेष सतर्कता संदिग्ध परिस्थितियों पर तुरंत कार्यवाही के है कड़े निर्देश

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल (परमानन्द कुकरेती)। दिल्ली में लाल किले के समीप एक कार में हुए जोरदार धमाके की घटना के बाद, जनपद पौड़ी पुलिस को उच्च सतर्कता स्तर पर रखा गया है। उक्त घटना के मद्देनज़र वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी के दिशा-निर्देशन में जनपद के समस्त थाना एवं चौकियों पर सुरक्षा और गश्त व्यवस्थाओं को और अधिक रूप से सक्रिय किए जाने के निर्देश किए गए है।

सुरक्षा की दृष्टि से अंतरराज्यीय एवं अंतर्जनपदीय सीमाओं पर गहन चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। सभी वाहनों, यात्रियों एवं मालवाहक वाहनों की सघन तलाशी एवं सत्यापन कार्यवाही की जा रही है। साथ ही बस अड्डों, धार्मिक स्थलों, बाजारों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में भी पुलिस बल की गस्त और निगरानी बढ़ा दी गई है।

जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारी,थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी सहित समस्त पुलिस बल पुलिस नियंत्रण कक्ष के सतत संपर्क में रहते हुए अपनी-अपनी ड्यूटी पर पूर्ण मुस्तैदी और तत्परता से कार्य कर रहे हैं। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की सूचना मिलते ही तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

बैकुंठ चतुर्दशी मेले में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन-जागरूकता का संदेश

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल (परमानन्द कुकरेती)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्री सर्वेश पंवार के दिशा-निर्देशन में जनपद के सभी थाना, कोतवाली एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा, साइबर जागरूकता, महिला सुरक्षा, नशा उन्मूलन तथा यातायात नियमों के प्रति अधिक से अधिक जनजागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में पौड़ी पुलिस द्वारा निरंतर विभिन्न मंचों के माध्यम से आमजन तक सुरक्षा और जागरूकता का संदेश पहुंचाया जा रहा है। जनजागरूकता की इसी पहल के तहत महिला थाना श्रीनगर एवं साइबर सेल टीम द्वारा आवास विकास मैदान, श्रीनगर में चल रहे बैकुंठ चतुर्दशी मेले में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न महिला मंगल दलों एवं शेमफोर्ड पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता करते हुए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनता को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, बाल अपराध, यातायात नियमों एवं नशे के दुष्प्रभावों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को जागरूक करते हुए पुलिस टीम ने 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी साइबर ठगी की पहचान और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी। साथ ही आवश्यक हेल्पलाइन नंबर- 1090 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सहायता), 1930 (साइबर हेल्पलाइन) के बारे में भी विस्तृत जानकारी साझा की गई।

गोपेश्वर में मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त होने से दो युवकों की मृत्यु एवं दो घायल

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। कल रात्रि लगभग 22:30 बजे थाना गोपेश्वर को जिला चिकित्सालय से सूचना प्राप्त हुई कि एक मोटरसाइकिल (1द्ठुद्दह संख्या च07 क्ष्ज्ञ 8076) बस अड्डा ब्रह्मसैन के पास सड़क पर खड़े वाहन से टकराने पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। दुर्घटना में बाइक सवार चारों युवाओं को परिजनों की सहायता से जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में उपचार हेतु भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उज्जवल (उम्र 11 वर्ष) पुत्र महिपाल निवासी ब्रह्मसैन, तथा समीर (उम्र 14 वर्ष) पुत्र कलीराम निवासी ब्रह्मसैन की मृत्यु हो गई। वहीं सागर पुत्र संदीप तथा अमन पुत्र सूर्य भारती, दोनों निवासी ब्रह्मसैन का उपचार जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में चल रहा है। सूचना प्राप्त होते ही थाना गोपेश्वर पुलिस द्वारा तत्काल अस्पताल पहुंचकर एम.एल.सी. जांच हेतु आवश्यक कार्यवाही की गई। दोनों मृतकों के शवों को मॉर्चरी में सुरक्षित रखा गया है।

गोपेश्वर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में शैक्षणिक भ्रमण

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। मुख्यमंत्री शैक्षणिक भ्रमण योजना के अंतर्गत गोपेश्वर महाविद्यालय के विद्यार्थी स्नेहा,मोनिका,अरमान और नागेन्द्र ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। प्राचार्य प्रो एम पी नगवाल ने विद्यार्थियों को बधाई दी और खुशी प्रकट करते हुए कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय भ्रमण के अनुभव को अन्य से साझा करें। इस अवसर पर भ्रमण समिति के सदस्य डॉ प्रियंका, डॉ घनश्याम, डॉ चंदा, डॉ कनिका और डॉ सौरभ उपस्थित रहे।

दिल्ली की घटना के बाद चमोली पुलिस अलर्ट मोड में

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। दिल्ली में घटित हुई घटना के बाद चमोली पुलिस ने जनपदभर में सुरक्षा व्यवस्था को और मज़बूत करते हुए सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार के निर्देशन में जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारियों द्वारा क्षेत्र में गश्त और चेकिंग को तेज़ कर दिया गया है। होटल, ढाबों, बस अड्डों, टैक्सी स्टैंडों, सार्वजनिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस टीमें लगातार पहुंचकर वाहनों की गहन जांच कर रही हैं,संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर रही हैं,और हर गतिविधि पर पैनी नज़र बनाए हुए हैं।

किसी भी स्थिति में सुरक्षा में लापरवाही न हो, इसके लिए पुलिस बल को लगातार रात्रि गश्त, चेकिंग प्वाइंट निरीक्षण और सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। चमोली पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम या नज़दीकी थाना को दें। आपकी एक सूचना किसी बड़ी घटना को रोक सकती है।

जिलाधिकारी ने सतपुली-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग का किया औचक निरीक्षण

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल (परमानन्द कुकरेती)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य की सभी सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुपालन में जनपद में विशेष अभियान चलाया गया। इसी क्रम में जिलाधिकारी पौड़ी गढ़वाल स्वाति एस. भदौरिया ने वास्तविक स्थिति का जायज़ा लेने के लिए पौड़ी से पैडुल के बीच सतपुली–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग खण्ड के अधिकारियों से पैच रिपेयर कार्यों की प्रगति पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

पूर्व में सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए सभी उपजिलाधिकारियों एवं अधिशासी अभियंताओं द्वारा मिशन मोड पर कार्य किया गया था। लेकिन कतिपय स्थानों पर कार्य अधूरा होने का मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में आया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी को पौड़ी–सतपुली मार्ग के निरीक्षण के निर्देश दिए गए। उपजिलाधिकारी द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार, पौड़ी से बुआखाल के बीच कार्य करवाया गया था, परन्तु उससे आगे कार्य शुरू नहीं पाया गया।

इसे देखते हुए जिलाधिकारी ने स्वयं मौका निरीक्षण किया। मरम्मत कार्यों में अनियमितता एवं शिथिलता पाए जाने पर जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से नाराज़गी व्यक्त की और कहा कि सड़क मरम्मत कार्यों में किसी भी प्रकार की ढ़िलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिशासी अभियंता राजबीर सिंह को शेष कार्य को शीघ्र पूर्ण करने तथा गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए ताकि आम जनता को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्राप्त हो सके।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मरम्मत कार्य की फोटोग्राफिक रिपोर्ट तैयार कर जिला कार्यालय में प्रस्तुत की जाय, ताकि मरम्मत कार्यों की प्रगति का सत्यापन किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि निरीक्षण के बाद भी मरम्मत कार्यों में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास की रीढ़ होती हैं, ऐसे में विभागीय अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ करें। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता, अन्य विभागीय अधिकारी तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जानलेवा हमला करने वाले शातिर अभियुक्त को सतपुली पुलिस ने किया गिरफ्तार , पूर्व में चाकू से भी हमला कर चुका है अभियुक्त

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल (परमानन्द कुकरेती)। दिनांक 21.07.2025 को शिव प्रसाद नवानी, निवासी-चौबट्टाखाल द्वारा राजस्व पुलिस चौकी मगाड़ीगाड़ में एक शिकायत दर्ज कराई गयी जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि उस पर यतेन्द्र नवानी,निवासी-चौबट्टाखाल द्वारा धारदार हथियार (बसूली) से जानलेवा हमला कर हत्या का प्रयास किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उक्त प्रकरण की विवेचना राजस्व पुलिस से नियमित पुलिस थाना सतपुली को हस्तांतरित की गई। विवेचना अधिकारी द्वारा कार्यवाही करते हुए साक्ष्यों का गहन संकलन किया गया। जांच में यह भी प्रकाश में आया है कि अभियुक्त शातिर प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जिसके विरुद्ध पूर्व में भी गवाणी बाजार में एक व्यक्ति के पेट में चाकू घोंपने का मामला दर्ज हो चुका है। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त यतेन्द्र नवानी, निवासी- चौबट्टाखाल को सतपुली क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के उपरांत अभियुक्त को आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर जिला कारागार पौड़ी भेजा गया है।

बदरी–केदार मंदिर समिति द्वारा निर्माण कार्यों के लिए निकाले गए टेंडर प्रक्रिया पर सवाल

बदरीनाथ (नि०स०)। केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की कार्यप्रणाली लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। विगत दिनों बदरीनाथ धाम के रावल द्वारा विशेष पूजाओं में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर आपत्ति जताने का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अब विभिन्न निर्माण कार्यों को लेकर निकाले गए टेंडर पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

बीकेटीसी ने विभिन्न मरम्मत व निर्माण कार्यों को लेकर 30 अक्टूबर को दैनिक राष्ट्रीय सहारा में एक टेंडर नोटिस प्रकाशित कराया। इन मरम्मत व निर्माण कार्यों के लिए 13 नवम्बर को निविदाएं बीकेटीसी के बदरीनाथ स्थित कार्यालय में आमंत्रित की गई हैं। आश्चर्य की बात यह है कि बीकेटीसी का मुख्यालय जोशीमठ में स्थित है और कैम्प कार्यालय देहरादून में है। टेंडर नोटिस में प्रकाशित अधिकांश कार्य केदारनाथ क्षेत्र के हैं। केदारनाथ क्षेत्र का कार्यालय उखीमठ में स्थित है। आमतौर पर बीकेटीसी द्वारा टेंडर मुख्यालय जोशीमठ अथवा कैम्प कार्यालय देहरादून में आमंत्रित किये जाते हैं। मगर इस बार बीकेटीसी द्वारा ये टेंडर इतनी दूर बदरीनाथ में आमंत्रित किए जाने को लेकर हर कोई हैरान है। नियमानुसार टेंडर नोटिस प्रदेश के दो प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाना आवश्यक है। मगर सूत्रों का कहना है कि 30 अक्टूबर को प्रकाशित टेंडर नोटिस राष्ट्रीय सहारा के प्रदेशभर के सभी संस्करणों में नहीं छपवाया गया और केवल गढ़वाल संस्करण में प्रकाशित हुआ। इतनी दूर बदरीनाथ में निविदाएं आमंत्रित करने और खानापूर्ति के अंदाज में टेंडर प्रक्रिया आयोजित करने से बीकेटीसी की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। हालांकि, सूत्रों का यह भी कहना है कि टेंडर नोटिस में प्रकाशित कुछ कार्य पहले ही करा लिए गए हैं और अब केवल खानापूर्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया की जा रही है।

एनएसडीएल ने विदेशी निवेशकों के लिए बाज़ार में प्रवेश को आसान बनाने के लिए नया एफपीआई-एफवीसीआई पोर्टल लॉन्च किया

देहरादून (नि०स०)। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड ने आज अपने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक पोर्टल को सफलतापूर्वक नया रूप देने और विदेशी उद्यम पूंजी निवेशक पोर्टल के लॉन्च की घोषणा की है। यह सभी सेवाओं को एक जगह उपलब्ध कराने वाला डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, जिसे विदेशी निवेशकों के लिए भारत के सिक्योरिटी बाज़ारों में रजिस्ट्रेशन और नियमों के पालन को आसान, तेज़ और बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एनएसडीएल के 9वें नामित डिपॉजिटरी प्रतिभागी (DDP) सम्मेलन के दौरान, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) की कार्यकारी निदेशक, डॉ. रुचि चोजेर ने 7 नवंबर, **2025** को अपग्रेड किए गए पोर्टल को लॉन्च किया। इस अवसर पर SEBI की मुख्य महाप्रबंधक, सु अपर्णा त्यागराजन; सेबी के मुख्य महाप्रबंधक, राजेश आनंद गुज्जर; एनएसडीएल के एमडी एवं सीईओ, विजय चंडोक; एनएसडीएल के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, समीर पाटिल और कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा DDP कम्युनिटी के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

विदेशी निवेशकों के लिए सभी सुविधाएँ एक ही जगह उपलब्ध होंगी: बिल्कुल नए स्वरूप में पेश किया गया यह प्लेटफ़ॉर्म और FVCI के रजिस्ट्रेशन और कामकाज को एक ही इंटरफ़ेस पर लाता है, जिससे बार-बार लॉगिन करने और मैन्युअलप्रक्रियाओं की ज़रूरत नहीं रहती है। कविदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) ऐसी विदेशी कंपनियाँ हैं, जो SEBI के पास रजिस्टर्ड हैं और भारत की इक्विटी,बॉन्ड्स तथा म्यूचुअल फंड्स में पैसा लगाती हैं, जिससे पूंजी बनाने और बाज़ार में पैसे का प्रवाह बनाए रखने में मदद मिलती है। कविदेशी उद्यम पूंजी निवेशक (FVCI) ऐसी विदेशी कंपनियाँ हैं, जो वेंचर कैपिटल फंड्स या गैर-सूचीबद्ध भारतीय स्टार्टअप में पैसा लगाती हैं, जिससे इनोवेशन के साथ-साथ नए उद्यम शुरू करने के जज्बे को बढ़ावा मिलता है।

जम्मू कश्मीर : पहलगाम सबसे ठंडा, श्रीनगर और गुलमर्ग में शून्य से नीचे पहुंचा तापमान

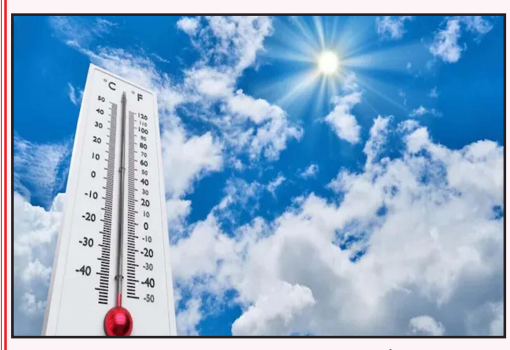

श्रीनगर । श्रीनगर में सोमवार को न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे चला गया। श्रीनगर में माइनस `.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, इस मौसम में यह पहली बार हुआ है जब श्रीनगर में पारा शून्य से नीचे चला गया है। गुलमर्ग में शून्य से `.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं शून्य से 3.2 डिग्री नीचे तापमान के साथ पहलगाम सबसे ठंडा रहा। बताया गया है कि आने वाले 1 से 15 दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है और रात में आसमान साफ रहने के कारण आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस, माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटरा में 11 डिग्री सेल्सियस, बटोटे में 4.6 डिग्री सेल्सियस और भद्रवाह में 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पल्मोनोलॉजिस्ट ने लोगों, खासकर बुजुर्गों और बच्चों को अत्यधिक ठंड में बाहर न जाने की चेतावनी दी है, क्योंकि इससे सर्दियों के महीनों में सीने में जकड़न और संक्रमण हो सकता है। जाने-माने पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. नवीद नजीर शाह ने कहा है कि जो लोग पहले से बीमार हैं, उन्हें सर्दियों के महीनों में अत्यधिक ठंड से बचने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। बता दें कि कश्मीर घाटी में सर्दियों में लोग एक खास ऊनी कोट पहनते हैं, जिसे फेरन कहते हैं। ठंड बहुत बढ़ने पर वे कांगड़ी नाम की टोकरी इस्तेमाल करते हैं। इसमें मिट्टी का एक छोटा बर्तन होता है, जिसमें जलते कोयले डाले जाते हैं। इसे फेरन के अंदर रखकर शरीर को गर्म रखते हैं। सबसे ज्यादा ठंड का समय चिल्लई कलां कहलाता है। यह 21 दिसंबर से 3 जनवरी तक के 4 दिन का होता है। इन दिनों घाटी में इतनी ठंड पड़ती है कि झीलें, नदियां और तालाब आंशिक या पूरी तरह जम जाते हैं। बर्फ से ढकी पहाड़ों की चोटियों से घाटी में सुबह और शाम को ठंडी हवाएं चलने के कारण कश्मीर में सुबह और शाम ठंडी रहती है और स्थानीय लोगों ने भारी ऊनी कपड़े पहनना शुरू कर दिया है। फेरन घाटी में रहने वाले लोगों का पारंपरिक सर्दियों का पहनावा है। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है, लोग कांगड़ी नाम की विलो की टोकरी में चारकोल से भरा मिट्टी का बर्तन फेरन के अंदर इस्तेमाल करते हैं ताकि कड़ाके की ठंड से बचा जा सके।

एनसीआर में ठंड ने दस्तक दी, न्यूनतम पारा 11 डिग्री तक गिरने की संभावना, वायु गुणवत्ता बेहद खराब

नोएडा (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का रुख लगातार बदलता जा रहा है। नवंबर के दूसरे सप्ताह में ही सर्दी ने अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सोमवार को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आने वाले दिनों में पारा और नीचे खिसकने की संभावना है। 11 नवंबर से 15 नवंबर तक न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक पहुँच सकता है। अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान सुबह और देर रात घना कोहरा छाने की भी संभावना जताई गई है, जिससे सड़कों पर दृश्यता कम हो सकती है। दूसरी ओर, एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति खराब से बेहद खराब स्तर पर पहुंच चुकी है। दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 35 से ऊपर दर्ज किया गया, जो %बहुत खराब' से %गंभीर' श्रेणी के बीच माना जाता है। बवाना में एक्यूआई 4 से ऊपर रिकॉर्ड किया गया, जबकि अलिपुर, आनंद विहार, अशोक विहार और बुराड़ी में 35 से 39 के बीच रहा। यह स्तर स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है, खासकर बुजुर्गों, बच्चों और उन लोगों के लिए जिन्हें पहले से सांस से जुड़ी दिक्कतें हैं। नोएडा में भी स्थिति चिंताजनक है। सेक्टर-62, सेक्टर-1 और सेक्टर-116 में एक्यूआई 324 से 339 के बीच दर्ज किया गया, जो %बेहद खराब' श्रेणी में आता है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान में गिरावट और हवा की गति धीमी होने के कारण प्रदूषक वातावरण में फंसे रहते हैं, जिससे धुंध और स्मॉग की परत बन जाती है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सुबह-शाम बाहर कम निकलने, मास्क पहनने और आंखों एवं गले की सुरक्षा के लिए सावधानी अपनाने की सलाह दी है। ठंड और प्रदूषण का यह संयुक्त असर आने वाले दिनों में और तेज महसूस किया जा सकता है।

हिमाचल सरकार ने लोकतंत्र प्रहरी सम्मान अधिनियम को निरस्त करने की अधिसूचना जारी की

शिमला । हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने पिछली भाजपा सरकार द्वारा लाए गए उस विधेयक को निरस्त कर दिया है, जिसके जरिए आपातकाल के दौरान जेलों में बंद जनसंघ से जुड़े कई राजनीतिक नेताओं को लाभ पहुंचाया गया था। राज्य सरकार ने लोकतंत्र प्रहरी सम्मान अधिनियम, 2021 को निरस्त करने के लिए एक अधिसूचना जारी की है। यह पेंशन योजना पिछली जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई थी। हिमाचल प्रदेश लोकतंत्र प्रहरी सम्मान (निरस्तीकरण) अधिनियम, 2023 के माध्यम से यह एक अप्रैल, 2023 से प्रभावी है। गौरतलब है कि यह विधेयक विधानसभा द्वारा तीन अप्रैल, 223 को बजट सत्र के दौरान भाजपा विधायकों के कड़े विरोध के बीच पारित किया गया था।

रक्षा क्षेत्र में आरएंडडी बढ़ाने की योजनाओं की वार्षिक समीक्षा करेंगे राजनाथ सिंह, निवेश दोगुना करने की योजना

नई दिल्ली । देश में अगले पांच वर्षों में 32,766 करोड़ रुपए के अनुमानित व्यय के साथ अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) की गति को दोगुना करने का प्रस्ताव रखा गया है। पिछले 10 वर्षों में आरएंडडी में अधिकांश निवेश हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड जैसे पुराने रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) द्वारा किए गए है, लेकिन रिसर्च और डेवलपमेंट में तेजी लाने के लिए बाकी डीपीएसयू में भी काम चल रहा है। नई दिल्ली में सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इन्हीं 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) के वार्षिक प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे।

इससे पहले राजनाथ सिंह ने 2025 को %सुधारों का वर्ष' घोषित किया था, जिसमें रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा नई तकनीक के विकास के महत्व, निर्यात एवं स्वदेशीकरण को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया था। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उन्होंने डीपीएसयू से अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए अपने निवेश और जनशक्ति बढ़ाने का आह्वान किया था। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को अपने प्रेस नोट में कहा, सभी डीपीएसयू ने अगले पांच वर्षों के लिए अपने अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) का रोडमैप तैयार कर लिया है। पिछले 10 वर्षों में 16 डीपीएसयू द्वारा अनुसंधान एवं विकास में कुल 30,952 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इसी प्रकार, अगले पांच वर्षों में, आयुध निर्माणी बोर्ड के निगमीकरण के बाद गठित सात नए रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (डीपीएसयू) आरएंडडी पर 3,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेंगे, जबकि रक्षा शिपयार्ड ने 1,300 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की योजना बनाई है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, इस इवेंट के दौरान, पिछले 10 वर्षों में किए गए आरएनडी प्रोजेक्ट्स का एक कम्पाइलेशन और अगले पांच साल का प्लान जारी किया जाएगा। इसके अलावा एचएएल का नया आरएनडी मैनुअल भी लॉन्च किया जाएगा, जो अनुसंधान और विकास परियोजनाओं में लचीलापन, गति, जोखिम मूल्यांकन और आवंटन प्रदान करेगा। केंद्रीय मंत्री अक्षय ऊर्जा पर %स्वयं' शीर्षक से एक रिपोर्ट भी जारी करेंगे। यह रिपोर्ट रक्षा उत्पादन विभाग के तत्वावधान में सभी 16 डीपीएसयू की ऊर्जा दक्षता प्रथाओं को संकलित करने का पहला प्रयास है। 2024-25 में डीपीएसयू का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। डीपीएसयू ने पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में निर्यात में 51 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। कुल कारोबार 1.08 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 2023-24 की तुलना में 15.4 प्रतिशत अधिक है। डीपीएसयू ने 2024-25 में 20,021 करोड़ रुपए का संचयी कर-पश्चात लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए विभिन्न डीपीएसयू को सम्मानित किया जाएगा और महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान भी होगा।

यूपी : लखनऊ में एसटीएफ ने नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया, दो गिरफ्तार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने रविवार को गोमतीनगर के उजरियाव गांव (विजय खंड-1) में एक मकान पर छापेमारी की। इस छापेमारी की बदौलत एसटीएफ ने जहरीले नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने और तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया। एसटीएफ ने सरगना समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मकान मालिक फरार है। बरामद माल की कीमत करीब 1 करोड़ रुपए आंकी गई है।एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक सिंह ने बताया कि महीनों से इस मकान में चीन से मंगवाए गए पाउडर को फिनायल, यूरिया, नमक, विनेगर और रंग मिलाकर जहरीले ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन तैयार किए जा रहे थे। ये इंजेक्शन लखनऊ, आसपास के जनपदों के अलावा बिहार, दिल्ली और कई अन्य राज्यों में सप्लाई किए जा रहे थे। गिरफ्तार आरोपी बागपत जिले के बड़ौत क्षेत्र के मलकपुर गांव निवासी कयूम अली (बसंतकुंज क्करू आवास में रहता था) और मदेयगंज कदम रसूल वार्ड निवासी मोहम्मद इब्राहिम हैं। मकान मालिक गौसुल हसन की तलाश जारी है। डिप्टी एसपी दीपक सिंह ने खुलासा किया कि कयूम चीन से कुरियर के जरिए इंजेक्शन बनाने का पाउडर मंगवाता था, जो पहले गाजियाबाद के लोनी कटरा पहुंचता था। वहां से गैंग के सदस्य इसे लखनऊ लाते थे। तैयार इंजेक्शन डेयरी मालिकों, सब्जी विक्रेताओं और किसानों तक एजेंटों के माध्यम से पहुंचाए जाते थे। ये इंजेक्शन गाय-भैंस को दूध बढ़ाने के लिए, सब्जियों की चमक बढ़ाने और फसल में तेजी लाने के लिए इस्तेमाल होते थे।

पंजाब यूनिवर्सिटी में सीनेट चुनाव की मांग को लेकर छात्रों का प्रदर्शन, पुलिस-विद्यार्थियों के बीच धक्का-मुक्की

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में सीनेट चुनाव की तारीख घोषित करने की मांग को लेकर विद्यार्थी सोमवार को प्रदर्शन कर रहे हैं। यहां 91 सीनेट चुने जाने हैं। इस दौरान विद्यार्थी और पुलिस के बीच बहस भी हो गयी। पुलिस के इंतजाम देखकर विद्यार्थियों ने समर्थकों से अपील की कि पुलिस उन्हें जहां रोकें, वहीं बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दें। पुलिस ने एक नंबर द्वार को बंद कर दिया है और दो तथा तीन नंबर के द्वार से भी कड़ी जांच के बाद ही जाने दिया जा रहा है। पुलिस द्वारा दो नंबर द्वार से कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने की सूचना के बाद विद्यार्थी भड़क उठे। वह द्वार खोलकर यूनिवर्सिटी में घुस गये हैं। इस दौरान पुलिस और विद्यार्थियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। रविवार रात भी इसको लेकर विद्यार्थियों ने हंगामा किया। देर रात तक छात्र यूनिवर्सिटी के गेट पर धरने पर बैठे रहे। मामला बढ़ता देख वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंवरपाल कौर को खुद ही स्थिति संभालनी पड़ी थी।

विद्यार्थियों के प्रदर्शन को देखते हुए यूनिवर्सिटी में सोमवार और मंगलवार को अवकाश घोषित कर दिया गया है। सुबह से ही यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों भीड़ जुटनी शुरू हो गयी है। विद्यार्थियों के आह्वान पर उनके समर्थन में किसान और कई राजनीतिक दल भी प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने हालांकि सुरक्षा के कड़े इंतजाम करते हुए दो हजार कर्मचारी तैनात किये हैं। पूरे शहर में 12 जगह नाकाबंदी की गयी है। यूनिवर्सिटी में सिर्फ उन्हीं को जाने की इजाजत है, जिनका कोई काम है। उसके लिए भी उनके पहचान पत्र देखे जा रहे हैं।

यह विवाद पंजाब यूनिवर्सिटी में सीनेट और सिंडिकेट भंग करने से शुरू हुआ। इससे विद्यार्थी भड़क उठे, तो केंद्र सरकार ने यह अधिसूचना वापस ले ली थी। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने घटना की निंदा करते हुए कहा, पंजाब विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अपने ही परिसर में प्रवेश करने से रोका जा रहा है।

सम्पादकीय

डॉनल्ड ट्रंप की कार्यशैली

ट्रंप के लिए गोल-पोस्ट बदल लेना आम बात है। रूस से तेल खरीदारी रुकवाने तक वे सीमित रहेंगे, यह सोचना भूल है। ब्रिक्स+ से अलगाव और भारतीय पूंजी का अमेरिका में निवेश करवाना उनकी अगली प्राथमिकताएं हो सकती हैं। भारत सरकार जिसे पहले देश की ऊर्जा जरूरतों के मुताबिक अपना संप्रभु निर्णय कहती थी, उस मामले में झुकने का संकेत देकर उसने सारी दुनिया में बहुत गलत संदेश भेजा है। ताजा घटनाओं से अमेरिकी राष्ट्रपति का यह दावा सच होता दिखा है कि इस वर्ष के अंत तक रूस से कच्चे तेल की खरीदारी रोक देने का गुपचुप आश्वासन उन्हें दिया गया। इन खबरों के बाद चर्चा फिर गर्म है कि द्विपक्षीय व्यापार वार्ता पर दोनों देश सहमति की ओर बढ़ रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्टों में तो यहां तक बताया गया है कि अब समझौते का प्रारूप लिखा जा रहा है। प्रस्तावित समझौते में कृषि एवं डेयरी क्षेत्रों को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने की ट्रंप प्रशासन की मांग पर भारत कहां तक झुकेगा, यह अभी साफ नहीं है। मगर वह सिर्फ एक मुद्दा है। डॉनल्ड ट्रंप की कार्यशैली से जाहिर है कि ट्रेड डील उनके लिए सिर्फ व्यापार घाटा पाटने का जरिया नहीं है। बल्कि इसे उन्होंने अमेरिका के व्यापक भू-राजनीतिक हितों को साधने का औजार बना रखा है। ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने के संदर्भ में उनके दावे भी इसी बात की पुष्टि करते हैं। फिलहाल एक विज्ञापन को आधार बना कर जिस तरह उन्होंने कनाडा से व्यापार वार्ता तोड़ दी, उससे यही संकेत मिला है कि ट्रंप के लिए गोल-पोस्ट बदल लेना आम बात है। यानी वे रूस से तेल खरीदारी रुकवाने तक सीमित रहेंगे, यह सोचना भूल है। ट्रंप ने ब्रिक्स+ को निशाने पर ले रखा है, जिससे भारत को अलग करवाना उनका अगला मकसद बन सकता है। फिर भारतीय पूंजी का अमेरिका में निवेश करवाना उनकी आगे की प्राथमिकता हो सकती है। व्यापार समझौतों में उन्होंने ऐसा करने के लिए कई देशों को मजबूर किया है। यह साफ है कि जो देश कमजोरी दिखाते हैं, उनके ऊपर और चढ़ते जाना उनकी कार्यशैली का हिस्सा है। इसीलिए ताजा घटनाक्रम भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। झुक कर किया गया ट्रेड डील भारत की स्वायत्त पहचान पर कलंक लगाएगा, जिसका खराब असर अन्य द्विपक्षीय रिश्तों पर पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि केंद्र अभी से भी संभल जाए।

सैन्य धाम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा, इसलिए प्रधानमंत्री ने नहीं किया उद्घाटन : गरिमा

देहरादून (नि०स०)। उत्तराखंड कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा रजत जानती अवसर पर भी सैन्य धाम का उद्घाटन/लोकार्पण नहीं करने को लेकर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सैन्य धाम का उद्घाटन इसलिए नहीं किया क्योंकि यह पूरा प्रोजेक्ट भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि वैसे तो प्रधानमंत्री मोदी हर मंच से सैनिकों के सम्मान की बातें करते हैं, लेकिन जब सैनिकों की शौर्यगाथा को समर्पित धाम के उद्घाटन का अवसर आया, तो वे खुद उससे दूरी बना गए। यह स्पष्ट संकेत है कि भाजपा सरकार को इस परियोजना में हुए घोटालों की पूरी जानकारी है।

उन्होंने बताया कि देहरादून में उत्तराखंड पेयजल संसाधन एवं विकास निर्माण निगम द्वारा निर्मित सैनिक धाम में करोड़ों रुपये की अनियमितताएं सामने आई हैं। टेंडर प्रक्रिया में नियमों की अवहेलना, मनमाने भुगतान और फर्जी बिलों के माध्यम से भ्रष्टाचार का खेल खेला गया है। कांग्रेस का कहना है कि विभागीय दस्तावेज़ और जांच रिपोर्टें खुद यह साबित करती हैं कि परियोजना की वास्तविक लागत से कई गुना अधिक भुगतान ठेकेदारों को किया गया है। बावजूद इसके, सरकार ने अब तक किसी भी अधिकारी या ठेकेदार पर कार्रवाई नहीं की है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा सरकार सैनिकों के नाम पर राजनीतिक लाभ तो उठाती है, लेकिन सैनिकों की शहादत के नाम पर भ्रष्टाचार करने से भी नहीं चूकती। सैनिक धाम में हुआ यह भ्रष्टाचार शहीदों के सम्मान पर कलंक है। कांग्रेस ने मांग की है कि सैनिक धाम परियोजना की उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच कराई जाए और भ्रष्टाचार में लिप्त सभी अधिकारियों व ठेकेदारों पर तुरंत कार्रवाई हो। प्रधानमंत्री का उद्घाटन से पीछे हटना इस बात का प्रमाण है कि खुद केंद्र सरकार भी इस घोटाले से दूरी बनाना चाहती है। लेकिन कांग्रेस इस मामले को जनता के सामने लाकर सच्चाई उजागर करेगी,

तमाम सभ्यताओं का जन्म नदियों के किनारे ही हुआ

डॉ. विभा नायक

नदियां किसी भी संस्कृति का प्राण तत्त्व हैं। विभिन्न संस्कृतियों के जन्म और उनके विकास का आधार यही नदियाँ हैं जो अपने अमृत से अपनी संततियों में जीवन रस का संचार करती हैं।

विश्व का इतिहास साक्षी है कि तमाम सभ्यताओं का जन्म नदियों के किनारे ही हुआ है। नदियों के निकट की उर्वर भूमि, जल की निरंतर उपलब्धता, प्राकृतिक संपदा और संसाधन और इन सबसे प्रभावित और संतुलित ऋतु चक्र के कारण ही सभ्यताओं को फलने-फूलने के लिए सबसे उत्तम स्थान नदियों के किनारे ही मिला। यही कारण है कि प्रकृति एवं पंच शक्ति पूजक हम भारतीयों के लिए नदी केवल जल की एक धारा मात्र नहीं रही, बल्कि वह उस विराट मातृ शक्ति का रूप भी है, जिसका कार्य ही है अपनी संततियों का पालन और पोषण करना। किन्तु आज की स्थितियों में हम पाते हैं कि हमने नदियों से लिया तो बहुत कुछ है किन्तु बदले में उन्हें हम कुछ दे नहीं पाए हैं, सिवाय अस्वच्छता के।

भारत में 2 से अधिक छोटी बड़ी नदियाँ हैं। कुछ आँकड़ों के अनुसार यह संख्या 4 के आस पास है। जिनमें कुछ मुख्य और कुछ सहायक नदियाँ हैं तो कुछ छोटी और बरसाती नदियाँ हैं। इन नदियों का धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से बड़ा महत्व रहा है। कुम्भ स्नान, गणोश चतुर्थी, कार्तिक स्नान, मकर संक्रांति में डुबकी और छठ पर्व के अतिरिक्त विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी नदियों की पूजा और उनमें डुबकी लगाने का विधान है, शुभ कार्यों, पूजन के भोग और पंचामृत में गंगा जल का क्या महत्व है, इससे तो सभी परिचित ही हैं तो मोक्ष प्राप्ति के लिए सनातन काल से अस्थि विसर्जन भी इन्हीं नदियों में ही होता आया है। सीधा सा अर्थ है कि भारतीय नदियों का संबंध भारत की सनातन चेतना, परंपरा और आस्था से तो है ही औद्योगिक और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी इनका बहुत महत्व है।

किन्तु विगत कुछ वर्षों में देखा गया है कि तीव्र गति से हो रही जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास, घरेलू एवं कृषि क्षेत्र में बढ़ते दबावों के कारण जल की मांग अत्यधिक बढ़ी है, जिससे पेय जल की समस्या का संकट खड़ा तो हुआ ही है, जल की गुणवत्ता में भी कमी आई है। हमारी नदियाँ तीव्र गति से प्रदूषित हो रही हैं। विभिन्न खतरनाक तत्व जिसमें अमोनिया, नाइट्रेट और फॉस्फेट जैसे उर्वरक, डिटर्जेंट, तेल और हाइड्रोकार्बन, कैडमियम, पारा, सीसा जैसे रासायनिक कचरे, स्टायरोफोम, प्लास्टिक और पोलीथिन सम्मिलित हैं, नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार प्रतिदिन 6 प्रतिशत से अधिक अशोधित जल भी सीधे नदियों में जाता है। सीधी सी बात है कि नदियों में बढ़ते प्रदूषण का यह स्तर न केवल नदी की जैविकी को नुकसान पहुँचा रहा है बल्कि आम जन-जीवन को भी प्रभावित कर रहा है।

हालांकि भारत सरकार द्वारा नदियों के लिए कई योजनाएँ भी चलाई जा रही हैं जिनमें राष्ट्रीय नदी संरक्षण, गंगा एक्शन प्लान, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे, यमुना सफाई अभियान प्रमुख हैं किन्तु ये योजनाएँ तभी सफल हो सकती हैं, जबकि लोक चेतना और उसमें भी नारी शक्ति उससे जुड़ी हो। संभवत: इसी विचार से जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 223 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान का आरंभ किया।

जिसका आदर्श वाक्य है- जीवन के लिए पानी का सम्मान। चूँकि जल प्रबंधन का कार्य घरों में महिलाएँ ही संभालती हैं। जल के महत्व और उसका प्रबंधन स्त्रियाँ बहुत कुशलता से करती हैं, अत: जल संरक्षण का कार्य महिलाओं को सौंपा जाना सही दिशा में उठाया गया कदम है। इस संबंध में सबसे अच्छी बात यह है कि इस योजना का उद्देश्य जल संरक्षण के क्षेत्र में स्त्रियों की भागीदारी को मान्यता देना, उन्हें जमीनी स्तर से आगे लाकर राष्ट्रीय नेतृत्व से जोड़ना और इस प्रकार दूसरों को जल सुरक्षित भविष्य से जोड़ने का क्रांतिकारी विचार भी सम्मिलित है। इसी योजना के अंतर्गत 36 महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। इस संबंध में राष्ट्रपति डॉ द्रौपदी मुर्मू का कथन है कि-

देश में स्वच्छता अभियान और स्वच्छ पेय जल जैसी लोगों से जुड़ी देशव्यापी योजनाओं की सफलता में देश की महिला शक्ति की भूमिका अहम है और इस अभियान का आधार नारी है।

इसी योजना के अन्तर्गत महिलाओं को प्रशिक्षित और जागरूक भी किया जा रहा है, जिसका असर ज़मीनी स्तर पर भी देखा जा रहा है। ग्रामीण अंचलों में भी देखें तो महिलाएँ प्लास्टिक और पॉलिथीन के प्रयोग से बचने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही हैं। प्लास्टिक की बोतलें जो जल और समग्र प्रकृति के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं, महिलाएँ उनसे गुलदस्ते बनाकर कर स्व-रोजगार को भी बढ़ावा दे रही हैं। इसी प्रकार ग्रे वाटर प्रबंधन की व्यवस्था, जिससे नालियों से निकलने वाला पानी पीने के पानी को दूषित न करे और जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित हो, इस दिशा में भी महिलाएँ बड़ी संख्या में आगे आ रही हैं। इसी प्रकार शहरी क्षेत्रों जैसे यमुना की स्वच्छता में भी दिल्ली की मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कई स्वयं सेवी संस्थान जिनमें बड़ी संख्या में स्त्रियाँ भी हैं, महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

केवल इतना ही नहीं स्त्रियों के नेतृत्व में नदियों और जल प्रबंधन से सबंधित और भी कार्य हो रहे हैं, जिसका एक उदाहरण हैं भारतीय वैज्ञानिक डॉ नीलिमा गुप्ता, जिन्होंने लगभग चार दशक से अधिक समय तक गंगा नदी के प्रदूषण पर शोध करके प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, डब्लूडब्लू एफ, एनजीटी को अपने शोध से परिचित कराया और इससे सम्बद्ध कई परियोजनाएँ भी संचालित कीं। नदियों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या पर उनका कहना है कि नदियों में बढ़ते प्रदूषण के कारण परजीवी बढ़ रहे हैं। जलीय जीवन इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जिसका कुप्रभाव पर्यावरण और स्वास्थ्य के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है।

इसी प्रकार सी टू सोर्स गंगा नदी अभियान में भारत और बांग्लादेश में गंगा नदी में प्लास्टिक प्रदूषण का अध्ययन करने वाली महिला टीम भी महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य भी नदियों विशेषकर गंगा में बढ़ते प्रदूषण और उसके कारण समुद्र में निरंतर बढ़ते प्लास्टिक और अन्य प्रकार के कचरे की ओर ध्यान दिलाना है, जिसके कारण पारिस्थितिकी तंत्र और जलीय जीव बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। कुल मिलाकर देखें तो नदियों की सुरक्षा और स्वच्छता की दिशा में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। किन्तु यह भी सच है कि यह अभी आरंभिक चरण में ही है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि स्त्री किसी भी परिवार और समाज की धुरी होती। सभी पर्व और त्योहारों के केंद्र में भी स्त्री की ही भूमिका रहती है, तो ऐसे में सामाजिक और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों में स्त्री यदि नेतृत्वकारी भूमिका में आती है तो निश्चय ही इसका स्वागत होना चाहिए और प्रयास यह भी होना चाहिए कि जल संरक्षण और प्रकृति से जुड़े विषयों में स्त्रियों की भागीदारी और बढ़ सके।

बजाज फिन्सर्व ऐसेट मैनेजमेन्ट लिमिटेड ने 'बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ फंड लॉन्च किया

देहरादून (नि०स०)। भारत की तेज़ी से बढ़ती वित्तीय विकास गाथा का लाभ उठाते हुए, बजाज फिन्सर्व एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र में निवेश करने वाली एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना, बैंकिंग और वित्तीय सेवा फंड, की शुरुआत की घोषणा की है। यह नया फंड ऑफर (ह्स्नह्) 10 नवंबर 2025 को सदस्यता के लिए खुलेगा और 24 नवंबर 2025 को बंद होगा। इस फंड को निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज टीआरआई के समकक्ष बेंचमार्क किया गया है। भारत का बैंकिंग और वित्तीय सेवा (बीएफएसआई) क्षेत्र अभूतपूर्व गति से बदल रहा है और पारंपरिक बैंकिंग के साथ साथ अब इस क्षेत्र में एनबीएफसी, बीमा कंपनियाँ, एएमसी, पूंजी बाजार और अत्याधुनिक फिनटेक कंपनियाँ भी शामिल होने लगी हैं। पिछले दो दशकों में, इस क्षेत्र का बाजार पूंजी करण लगभग 50 गुना बढ़ गया है, जो तीव्र डिजिटलीकरण, बढ़ती ऋण पहुँच, वित्तीय समावेशन और साहसिक नियामक सुधारों के कारण संभव हुआ है। आज, यह क्षेत्र भारत की आर्थिक गति के केंद्र में है और निवेशकों को देश के वित्तीय परिवर्तन और दीर्घका लिक धन सृजन की कहानी में भाग लेने का एक अवसर प्रदान करता है। यह फंड बजाज फिन्सर्व म्यूचुअल फंड्स की मेगाट्रेंड्स रणनीति पर आधारित है। इसका लक्ष्य बैंकों, एनबीएफसी, बीमा कंपनियों, एएमसी तथा अन्य पूंजी-बाजार भागीदारों को शामिल करते हुए, भारत के विकसित हो रहे वित्तीय पारिस्थिति की तंत्र से अवसरों का लाभ उठाने के लिए एक विविध पोर्टफोलियो तैयार करना है। यह लगभग 180-200 मेगाट्रेंड्स क्षेत्र से चुने गए 45-60* शेयरों में निवेश करेगा, जो दीर्घकालिक संरचनात्मक रुझानों के अनुरूप होंगे। यूपीआई अपनाने, डिजिटल ऋण देने, जन धन पहल और एनबीएफसी, म्यूचुअल फंड और बीमा में बढ़ती भागीदारी जैसे मेगाट्रेंड द्वारा समर्थित यह योजना लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बनाई गई है, जो बीएफएसआई क्षेत्र में केंद्रित निवेश के माध्यम से धन सृजन करने के लिए उच्च जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं। बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, गणेश मोहन ने कहा, 'जैसे-जैसे भारत विकसित भारत की ओर अग्रसर होगा और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 3 अर्थ व्यवस्था ओं में शामिल होगा, वित्तीय सेवा क्षेत्र इस विकास को संभव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत की बढ़ती समृद्धि और उम्मीदें विभिन्न वित्तीय सेवाओं जैसे ऋण, बीमा, निवेश, भुगतान और पूँजी बाजार उत्पादों में उल्लेखनीय वृद्धि को गति प्रदान करेंगी। बीएफएसआई भारत के विकास का केंद्र बिंदु बनता जाएगा और अर्थ व्यवस्था के विस्तार के साथ-साथ घरेलू और विदेशी, दोनों तरह के पूँजी स्रोतों को आकर्षित करेगा। हमारा मानना ??है कि यह समर्पित थीमैटिक फंड निवेशकों को इस मेगाट्रेंड में भाग लेने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है, जो संपूर्ण वित्तीय सेवा क्षेत्र में अवसरों की पहचान करेगा और इन क्षेत्रों में भविष्य की वृद्धि से लाभ उठाने की कोशिश करेगा।

विरासत बचाने को आगे आए फुटबॉल प्रेमी! गोरखा स्कूल को 56,890 का सहयोग

देहरादून (नि०स०)। देहरादून के ऐतिहासिक गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, 'मॉर्निंग सॉकर शौकीन' ग्रुप के 65 पूर्व नेशनल और इंटरनेशनल फुटबॉल खिलाड़ियों ने स्कूल के विकास के लिए 56,890 रुपये की सहयोग राशि प्रदान की है। डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत (पूर्व नेशनल खिलाड़ी, रेफरी और इंटरनेशनल कोच) के नेतृत्व में 30 से 70 वर्ष से अधिक आयु के इन खिलाड़ियों ने स्कूल की गौरवशाली फुटबॉल विरासत को बचाने के लिए यह पहल की है। गोरखा स्कूल ने श्याम थापा, सी बी थापा और अंजना थापा जैसे अनगिनत नेशनल और इंटरनेशनल खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने डूरंड कप और सुब्रतो मुखर्जी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में स्कूल का नाम रोशन किया। वर्तमान में, 1925 में स्थापित इस स्कूल की 90 वर्ष की लीज अवधि समाप्त हो चुकी है और मामला कोर्ट में चल रहा है। प्रबंधन स्कूल की विरासत को अगले 100 साल तक कायम रखने की मांग कर रहा है। डॉ. रावत ने सरकार से अनुरोध किया है कि इस ऐतिहासिक संस्था की गरिमा बनाए रखने के लिए लीज को नवीनीकृत किया जाए। स्कूल प्रबंधन 15 और 16 नवंबर को शताब्दी समारोह और पूर्व खिलाड़ियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करेगा।

देहरादून यूवा सेना (शिव सेना) कार्यकारिणी का विस्तार : नए चेहरों को मिली अहम ज़िम्मेदारी

देहरादून (नि०स०)। प्रदेश अध्यक्ष सागर रघुवंशी के निर्देशानुसार, यूवा सेना (शिव सेना) देहरादून महानगर की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कई महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की गई हैं। महानगर अध्यक्ष मंजीत भट्ट और महानगर महासचिव मनोज रावत ने संगठन को ज़मीनी स्तर पर और मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह विस्तार किया है। इस दौरान दर्जनों युवाओं ने यूवा सेना का दामन थामा। संगठन में नई ज़िम्मेदारियाँ सौंपते हुए, आयुष पासवान को वार्ड संख्या 24, कांवली रोड का क्षेत्र प्रमुख और दीपक धिमान को वार्ड संख्या 44, पटेल नगर का क्षेत्र प्रमुख नियुक्त किया गया है। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई और नव नियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की विचारधारा और अनुशासन के अनुरूप कार्य करने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर सुमित चौधरी (उपाध्यक्ष), देव साही, सागर गोयल सहित बड़ी संख्या में युवा सैनिक उपस्थित रहे।

'चापड़' का शौक पड़ा महंगा! देहरादून पुलिस ने सोशल मीडिया स्टंटबाज को धर दबोचा, थार सीज

देहरादून : सोशल मीडिया पर 'दबंगई' दिखाना एक युवक को भारी पड़ गया। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक व्यक्ति चलती गाड़ी से बाहर हाथ में चापड़ (बड़ा चाकू) लेकर स्टंट करता दिखाई दे रहा था। इस वीडियो पर त्वरित संज्ञान लेते हुए, एसएसपी देहरादून ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।कैंट कोतवाली पुलिस ने तेजी दिखाते हुए वीडियो में दिख रहे वाहन की पहचान की और चालक अक्षांश सकलानी (उम्र- 29 वर्ष) को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से वही अवैध चापड़ बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है और उसकी थार गाड़ी को भी सीज कर दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई ने वाहन चलाते समय हथियार का प्रदर्शन करने वालों की सारी खुमारी उतार दी है।

सुग्स लॉयड ने वयना इलेक्ट्रिक किया लॉन्च

देहरादून (नि०स०)। सुग्स लॉयड जो भारत की ऊर्जा संरचना को दो दशकों से अधिक समय से मज़बूती देने में अग्रणी रहा है, ने आज अपने नए उपभोक्ता ब्रांड वयना इलेक्ट्रिक की घोषणा की है। ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट्स में सफल यात्रा के आधार पर अब समूह अपनी विशेषज्ञताओं को एक आधुनिक श्रेणी की लाइटिंग, स्विचगियर और मॉड्यूलर इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशन्स के माध्यम से भारतीय घरों और कारोबारों तक विस्तारित कर रहा है। वयना इलेक्ट्रिक वास्तव में इस बदलाव का प्रतीक है, जहाँ सुरक्षा, विश्वसनीयता और बुद्धिमत्तापूर्ण डिज़ाइन एक साथ आते हैं, तो कैसे इलेक्ट्रिकल उत्पाद अब सिर्फ़ ज़रूरत नहीं बल्कि अनुभव बन जाते हैं। यह ब्रांड भारतीय जीवनशैली के अनुरूप एक डिज़ाइन-फ़र्स्ट दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया गया है, जिसके उत्पाद पोर्टफोलियो में सीओबी लाइट्स, एलईडी पैनल्स, डाउनलाइटर्स, ल्यूमिनेयर्स, मॉड्यूलर स्विच, डिस्ट्रिब्यूशन बोर्ड, आरसीसीबी, एमसीबी एवं अन्य एक्सेसरीज़ शामिल हैं। हर उत्पाद भारतीय परिस्थितियों के अनुसार डिज़ाइन किया गया है और भारतीय तथा वैश्विक मानकों पर परीक्षणित है, जिसमें टिकाऊपन, प्रदर्शन और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

संतोष शाह, प्रबंध निदेशक वयना इलेक्ट्रिक और चेयरमैन सुग्स लॉयड लिमिटेड ने कहा, 'वयना इलेक्ट्रिक हमारा उपभोक्ता व्यवसाय में प्रवेश है, जहाँ हमारी तकनीकी अनुशासनता और डिज़ाइन भारतीय सोच व जीवनशैली को और सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। ये उत्पाद भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप बने हैं, जो कि मज़बूत, सुरक्षित और स्टाइलिश हैं।' 'सुग्स लॉयड ने वर्षों तक भारत के ऊर्जा क्षेत्र को मज़बूती दी है। अब हम उसी इंजीनियरिंग विश्वसनीयता को हर घर तक ले जा रहे हैं । एक स्मार्ट, सुलभ और प्रीमियम ब्रांड के रूप में पोज़िशन किया गया वयना इलेक्ट्रिक , वैश्विक गुणवत्ता की लाइटिंग एवं इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशन्स प्रस्तुत करता है, जो आधुनिक भारतीय जीवन को और सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ब्रांड का डिज़ाइन और तकनीकी विशेषताएँ उपयोगकर्ताओं की ज़रूरतों के अनुसार केंद्रित की गई हैं।

आरम्भ में यह ब्रांड दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और राजस्थान में उपलब्ध रहेगा। इसे डिस्ट्रिब्यूशन रिटेल शोरूम, डीलर नेटवर्क और इलेक्ट्रीशियन एंगेजमेंट प्रोग्राम्स के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इसके साथ ही कंपनी आने वाले समय में वयना इलेक्ट्रिक के तहत छोटे घरेलू उपकरणों, ग्रूमिंग उत्पादों और फैन सेगमेंट में भी प्रवेश करने का रोडमैप तैयार कर रही है, जो बढ़ती उपभोक्ता मांग के अनुरूप होगा।

पारदर्शिता को सशक्त बनाने के बैंक की डिजिटल पहलों का अनावरण करने हेतुकेंद्रीय सतर्कता आयुक्त ने पीएनबी का दौरा किया

देहरादून (नि०स०)। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में माननीय केंद्रीय सतर्कता आयुक्त श्री प्रवीण कुमार श्रीवास्तव के दौरे के साथ बढ़ी हुई सतर्कता और पारदर्शिता की दिशा में, अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस कार्यक्रम के तहत, 'पीएनबी की विजिलेंस मैनुअल 2025 'का 5वाँ संस्करण और त्रैमासिक पत्रिका 'पीएनबी विजिल' का सितंबर 2025 के अंक का अनावरण किया गया। इस अवसर पर एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशक (ईडी) श्री बिभु प्रसाद महापात्र, सीवीओ श्रीराघवेंद्र कुमार, और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, बैंक ने कई प्रमुख पहलों का शुभारंभ किया, जिनमें कर्मचारी जवाबदेही पोर्टल का संपूर्ण डिजिटलीकरण, आचरण जोखिम ढाँचा (कर्मचारियों के लिए) और पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) के लिए डिजिटल समाधान शामिल हैं। ये पहल पीएनबी की अपने परिचालन में दक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं। इस कार्यक्रम में सतर्कता योद्धाओं को भी सम्मानित किया गया, यह उन कर्मचारियों के अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता देने के लिए किया गया जिन्होंने बैंक के नैतिक मूल्यों को बनाए रखने में असाधारण समर्पण का प्रदर्शन किया है। श्री प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, माननीय केंद्रीय सतर्कता आयुक्त ने कहाः 'हमारे समाज का कल्याण ,हमारी अर्थव्यवस्था का विकास और आजीविका का सृजन पंजाब नैशनल बैंक जैसे बैंकों द्वारा प्रदान किए गए समर्थन और वित्तपोषण से गहराई से जुड़े हुए हैं। हमारा लक्ष्य सतर्कता की ऐसी संस्कृति का निर्माण करना है जहाँ कार्य दंड के भय से नहीं, बल्कि सही काम करने की प्रतिबद्धता से प्रेरित हों। यह संस्कृति व्यक्ति, संगठन और समाज को बड़े पैमाने पर लाभान्वित करती है, जिससे बैंक, अर्थव्यवस्था और अंततः राष्ट्र के विकास में योगदान मिलता है, क्योंकि हम 2047 तक'विकसित भारत'की दिशा में काम कर रहे हैं। '

डामटा यमुनाघाटी क्रीड़ा और सांस्कृतिक विकास समारोह में उमड़ जनसैलाब

नौगांव उत्तरकाशी (रोबिन वर्मा)। डामटा में आयोजित चार दिवसीय यमुनाघाटी क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक विकास समारोह का में रंगारंग कार्यक्रम संपन्न हो रहें हैं ।

कार्यक्रम के तीसरे दिवस बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का पारंपरिक तरीके से जोरदार स्वागत किया है।

इस दौरान राज्य सभा सांसद श्री भट्ट ने क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक विकास समिति डामटा को खेल मैदान विस्तारित करने के लिए पाँच लाख रुपए की घोषणा की है । कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल , खजान दास , प्रदेश मीडिया प्रभारी बीजेपी मनवीर सिंह चौहान आदि मौजूद रहे है। इस दौरान कबड्डी समेत विभिन्न खेल प्रतियोगिता चल रही है।

मंगलवार को डामटा में आयोजित कार्यक्रम राज्य सभा सांसद महेंद्र भट्ट ने सभी खेल प्रतिभागियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनांए दी। बता दें कि डामटा में बीते 33 वर्षों से संचालित डामटा का राज्य स्तरीय समारोह में स्थानीय संस्कृति एवं खेल प्रतिभागियों को मंच दिया जा रहा है।

इस दौरान श्री महेन्द्र भट्ट ने कहा कि रवांई, जौनपुर और जौनसार की संस्कृति को आपस में जोड़ने के लिए डामटा का यह समारोह त्रिवेणी का कार्य कर रहा है। , समिति के अध्यक्ष बचन सिंह चौहान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण सिंह चौहान, शूरवीर चौहान, अर्जुन पंवार, चमन चौहान, पूरण सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

जिले स्तर पर भाजपा महिला मोर्चा आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन का करेगा आयोजन

देहरादून (नि०स०)। भाजपा महिला मोर्चा आत्मनिर्भर भारत के तहत जिले स्तर पर बड़े सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रुचि चौहान भट्ट का कहना है कि भाजपा अपने संगठन की 19 जिलों में आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन का आयोजन कर रह है। स्वयंसेवी संस्थाओं के कर्मी भी सम्मेलन में आमंत्रित किए जाएंगे । उनका कहना है कि जिस तरह से उत्तराखंड सरकार विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही है उसका सीधा फायदा महिलाओं को भी मिल रहा है प्रदेश सरकार नारी सशक्तिकरण की दिशा में मजबूत कदम उठाया है ।भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के कहना है कि बीते दो वर्षों में जीजीडीपी में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई है प्रति व्यक्ति आय में 26 गुना की वृद्धि हुई है। उनका कहना है कि उसे नजरिए से प्रदेश में महिलाओं को भी काफी फायदा पहुंच रहा है राज्य सरकार ने जिस तरह से काम किया है पिछले एक वर्ष में बेरोजगारी की दर में 4.4 फ़ीसदी का रिकॉर्ड कमी आई है। भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रुचि चौहान भट्ट का कहना है कि स्थानीय उत्पादन का बढ़ावा देने के लिए हाउस आफ हिमालय ब्रांड की शुरुआत की गई है इससे महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पाद को एक वैश्विक बाजार मिल रही है ।

पढ़ाई के दौरान नहीं लगेगी झपकी, बच्चों के दिनचर्या में शामिल करें ये आदतें

बच्चों की पढ़ाई के दौरान झपकी आना एक आम समस्या है। यह न केवल उनकी पढ़ाई की क्षमता को प्रभावित करता है, बल्कि उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों की पढ़ाई के समय कुछ ऐसी आदतें विकसित करें, जिससे वे जागते रहें और ध्यान केंद्रित कर सकें। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आदतें बताने जा रहे हैं, जो बच्चों को पढ़ाई के दौरान झपकी से बचा सकती हैं।

पढ़ाई का समय तय करें

बच्चों की पढ़ाई का समय तय करना बहुत जरूरी है। इससे उन्हें पता होता है कि कब उन्हें पढ़ाई करनी है और कब आराम करना है। एक नियमित समय सारणी बनाएं और उसे फालो करें ताकि बच्चे तैयार रहें और उनका ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित रहे। इसके अलावा समय सारणी में छोटे-छोटे ब्रेक शामिल करें ताकि बच्चे थकावट महसूस न करें और उनकी ऊर्जा बनी रहे। इस तरह वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे।

आरामदायक माहौल बनाएं

पढ़ाई का माहौल आरामदायक होना चाहिए ताकि बच्चे खुद को सहज महसूस करें। इसके लिए कमरे की रोशनी अच्छी होनी चाहिए, शोर कम होना चाहिए और हवा का प्रवाह अच्छा होना चाहिए। साथ ही बच्चों की टेबल और कुर्सी आरामदायक होनी चाहिए ताकि उनकी पीठ और गर्दन में दर्द न हो। इसके अलावा कमरे में कोई ऐसी चीज न रखें, जो ध्यान भटकाए जैसे मोबाइल या टीवी। इस तरह बच्चे बिना किसी रुकावट के पढ़ाई कर सकेंगे।

नाश्ता न छोड़ें

नाश्ता ऊर्जा का मुख्य स्रोत होता है, इसलिए बच्चों का नाश्ता कभी भी छोड़ना नहीं चाहिए। एक सेहतमंद नाश्ते में फल, दूध या कोई पौष्टिक चीजें शामिल करें, जिससे उनका दिमाग सक्रिय रहे और वे थकावट महसूस न करें। इसके अलावा नाश्ते के बाद बच्चों को पानी पीने के लिए भी कहें ताकि वे तरोताजा रहें। इससे उनकी एकाग्रता बढ़ेगी और वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे। इस तरह बच्चे बिना किसी रुकावट के पढ़ाई कर सकेंगे।

मोबाइल और टीवी से दूर रखें

पढ़ाई के दौरान मोबाइल और टीवी का उपयोग कम से कम करें क्योंकि ये चीजें ध्यान भटकाने वाली होती हैं। अगर संभव हो तो बच्चों के कमरे में मोबाइल या टीवी न रखें। अगर जरूरी हो तो पढ़ाई के समय इनका उपयोग सीमित करें और बच्चों को समझाएं कि इनसे उनका ध्यान भटक सकता है। इसके अलावा बच्चों को समझाएं कि पढ़ाई के बाद ही इनका उपयोग किया जाए।

नियमित एक्सरसाइज करवाएं

रोजाना थोड़ी बहुत एक्सरसाइज करना बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि इससे शरीर सक्रिय रहता है और थकान जल्दी दूर होती है। बच्चों को सुबह या शाम कुछ मिनट योग, दौड़ना या खेल खेलने के लिए प्रेरित करें ताकि उनकी ऊर्जा बनी रहे और वे थकावट महसूस न करें। इस तरह बच्चे बिना किसी रुकावट के पढ़ाई कर सकेंगे और उनकी एकाग्रता भी बढ़ेगी। इन आदतों को अपनाकर आप अपने बच्चों को पढ़ाई के दौरान झपकी से बचा सकते हैं।

पेरेंटिंग तनाव से राहत चाहते हैं? इन 5 तरीकों को अपनाएं

पेरेंटिंग एक खूबसूरत जिम्मेदारी है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं, जिनसे तनाव पैदा हो सकता है। बच्चों की देखभाल, उनकी जरूरतों को पूरा करना और उनके भविष्य के लिए सही दिशा में मार्गदर्शन देना आसान नहीं होता है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप पेरेंटिंग के तनाव को कम कर सकते हैं और अपने बच्चों के साथ बेहतर समय बिता सकते हैं।

समय का सही उपयोग करें- समय का सही उपयोग पेरेंटिंग के तनाव को कम करने का एक अहम तरीका है। अपने दिनचर्या को इस तरह से बनाएं कि आप सभी जरूरी काम समय पर कर सकें। इसके लिए आप एक योजना बना सकते हैं और उसमें बच्चों की पढ़ाई, खेलने का समय, घर के काम आदि को शामिल करें। इससे न केवल आपका समय बचता है, बल्कि आप ज्यादा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित महसूस करते हैं।

खुद के लिए भी समय निकालें- पेरेंटिंग करते हुए अक्सर माता-पिता खुद की देखभाल करना भूल जाते हैं। खुद के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है ताकि आप ताजगी महसूस कर सकें और आपका मनोबल बढ़ सके। आप कुछ मिनट रोजाना ध्यान कर सकते हैं या किताब पढ़ सकते हैं या फिर हल्की-फुल्की व्यायाम कर सकते हैं। इससे आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा और आप अपने बच्चों के साथ बेहतर तरीके से समय बिता सकेंगे।

परिवार के साथ बातचीत करें- परिवार के सभी सदस्यों के बीच खुली बातचीत बहुत जरूरी है। बच्चों को उनकी भावनाओं और समस्याओं के बारे में बात करने दें। इससे वे अपनी भावनाओं को समझ पाएंगे और उनका तनाव कम होगा। इसके अलावा माता-पिता को भी बच्चों की बातें ध्यान से सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान मिलकर ढूंढना चाहिए। इससे परिवार में आपसी समझ बढ़ेगी और सभी सदस्य एक-दूसरे के करीब आएंगे।

सकारात्मक सोच अपनाएं- सकारात्मक सोच अपनाना पेरेंटिंग के तनाव को कम करने का एक अहम तरीका है। जब भी कोई समस्या आए, उसे एक चुनौती के रूप में लें और उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। नकारात्मक विचारों को दूर रखें और अपने बच्चों को भी सकारात्मक नजरिया सिखाएं। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आप अपने बच्चों के साथ बेहतर तरीके से समय बिता सकेंगे। सकारात्मक सोच से आप मुश्किल हालात में भी शांत रहेंगे और सही निर्णय ले पाएंगे।

मदद मांगने में न हिचकिचाएं- अगर आपको लगता है कि आप अकेले सभी जिम्मेदारियों को नहीं संभाल पा रहे हैं तो मदद मांगने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए। परिवार के अन्य सदस्यों या दोस्तों से मदद लें या किसी पेशेवर सलाहकार की मदद लें। इससे न केवल आपका बोझ हल्का होगा, बल्कि आप ज्यादा आराम महसूस करेंगे और अपने बच्चों के साथ बेहतर तरीके से समय बिता सकेंगे। मदद मांगने से आपको नई दृष्टिकोण मिलेंगे और समस्याओं का समाधान ढूंढने में आसानी होगी।

आपका राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आएगा। आज आप वो पाने में सफल रहेंगे, जिसके लिए आपने कड़ी मेहनत की थी। आज आप व्यावसायिक योजना बनाने में सफल रहेंगे, आगे चलकर जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। इस दौरान आपको अपने खर्चे पर नजर रखने की जरूरत है। आज आप काम के साथ - साथ अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें, जिससे आप बेहतर तरीके से काम कर पायें।

वृषभ राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलेंगे और अपनी जीवन शैली में बदलाव करेंगे। आज आप किसी चीज को बिना जाने - समझे उसके बारे में फैसला करने से बचें। आज आपको अपने करियर को लेकर थोड़ी उलझन हो सकती है, लेकिन किसी समझदार व्यक्ति का साथ मिलने से राहत मिलेगी।

मिथुन राशिफल : आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। इस राशि के बच्चे आज मन लगाकर पढाई करेंगे, जिससे टेस्ट में अच्छे अंक प्राप्त होंगे। आज आप परिवार के साथ बैठकर इंजॉय करेंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपका धार्मिक तथा आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में कुछ समय बीतेगा, साथ ही जरूरतमंद लोगों की सहायता करके मानसिक सुकून भी मिलेगा। आज आपका मन रचनात्मक चीजों में लगेगा, आज आप अधूरी पड़ी पेंटिंग को पूरा कर सकते हैं।

कर्क राशिफल : आज का दिन आपके लिए लाभप्रद रहने वाला है। आज आपको कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है, जिससे आपका मन शांत रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं, जहां आपको आनंद की एक अलग ही अनुभूति होगी। आज आप जितना हो सकें दूसरों की राय लेकर ही किसी काम की शुरूआत करें सफलता मिलनी तय है। ऑफिस में आज आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता है, आपका एक गलत कदम आपको उलझन में डाल सकता है।

सिंह राशिफल : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको किसी करीबी से शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे आपका दिन बन जायेगा। आज आप अपने बच्चों का आत्म बल बनाये रखने में सहयोग अवश्य करेंगे। आज कर्मचारियों की मदद से बिजनेस की गतिविधियां ठीक तरह से चलती रहेंगी, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपको अपने काम से रिलेटिड अथॉरिटी मिल सकती है , जिससे आप बेहतर तरीके से काम कर पायेंगे।

कन्या राशिफल : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। आज घर में परिवारजनों के साथ मिल-जुलकर कुछ नवीनीकरण व साज-सज्जा को लेकर विचार-विमर्श रहेगा। आज ऑफिस में चल रहा प्रोजेक्ट पूरा होने से राहत मिलेगी, जिससे अन्य कामों पर भी ध्यान दे पाएंगे। आज आप माता - पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा के लिए जा सकते हैं। इस राशि के डॉक्टर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपके मन में बहुत सी सकारात्मक भावनायें आयेंगी। इस राशि के विवाहित अधिक से अधिक समय जीवनसाथी को दें, रिश्तों में मधुरता बढ़ेंगी।

तुला राशिफल : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको सरकारी कामों में समझदार व्यक्ति से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आज आपका व्यक्तित्व व रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना लोगों के बीच आकर्षण का कारण बनेगा। आज समाज में आपकी छवि और अधिक निखरेगी। आज आप अपनी कार्यप्रणाली व्यवस्थित बनाए रखेंगे, जिससे समय की बचत होगी। इस राशि के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को आज अच्छी खबर मिलेगी।

वृश्चिक राशिफल : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बहुत ही सोच समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता है, जिससे आप अधिक से अधिक लाभ कमा सकें। आज आप जीवनसाथी से मन की बात शेयर कर सकतें हैं, जिससे आपको बहुत हल्का महसूस होगा। आज आप ऑफिस में सबके बीच सामंजस्य बनाकर रखेंगे। आज आपके घर पर अचानक रिश्तेदार का आगमन होगा , जिससे परिवार में चहल - पहल बनी रहेगी।

धनु राशिफल : आज का दिन आपके लिए उत्साह से परिपूर्ण रहेगा। आज आपके रोजगार की तलाश खत्म होगी, आप पार्टनरशिप में किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं। आज आपका समय दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ बीतेगा, जिससे आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। आज आपको समारोह में जाने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मकर राशिफल : आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आएगा। आज आप वो पाने में सफल रहेंगे, जिसके लिए आपने कड़ी मेहनत की थी। आज आप व्यावसायिक योजना बनाने में सफल रहेंगे, आगे चलकर जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। इस दौरान आपको अपने खर्चे पर नजर रखने की जरूरत है। आज आप काम के साथ - साथ अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें, जिससे आप बेहतर तरीके से काम कर पायें।

कुंभ राशिफल : आज का दिन आपके लिए आशाजनक बना रहेगा। आज आप आर्थिक रूप से समृद्ध रहेंगे और आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप बातचीत के दौरान कुछ भी कहने से पहले शब्दों पर ध्यान दें, जिससे आपके आपसी रिश्ते अच्छे बने रहेंगे। इस राशि के लेखक आज अपनी पुस्तक का लोकार्पण कर सकते हैं, जिसे समाज के द्वारा खूब पसंद किया जायेगा। आज बच्चे पढ़ाई के साथ - साथ खेल - कूद में भी मन लगायेंगे, जिससे फिजिकल हेल्थ ठीक रहेगी।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक - ठाक बना रहेगा। आज आप कार्यक्षेत्र में नई योजनाएं बनाएंगे, जिसमें आपको कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज आप ऑफिस के प्रोजेक्ट को बहुत अच्छे से पूरा करेंगे, जिससे बॉस खुश होकर आपका प्रमोशन कर सकते हैं। इस राशि के खेल - कूद में रूचि रखने वाले छात्रों को आज किसी प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा, जिसमें वे अच्छा परफॉर्म करेंगे।

इक्कीस का ट्रेलर रिलीज, सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता बन छा गए अगस्त्य नंदा

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से बॉलीवुड में कदम रखा था और इसमें उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। हालांकि, ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई थी। अब दर्शकों को अगस्त्य की फिल्म इक्कीस का इंतजार है, जो ओटीटी से पहले सिनेमाघरों का रुख करेगी। अब श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया की ये पहली फिल्म है।

ये 2 मिनट का ट्रेलर सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल की कहानी दिखाता है। इसमें उनकी फौज में भर्ती से लेकर, जंग के मैदान में उनके वीरता भरे बलिदान तक का प्रेरणादायी सफरनामा दिखाया गया है। शुरुआती दृश्यों में एक सख्त मिलिट्री अकादमी का माहौल दिखाया गया है। उधर अरुण के किरदार में अगस्त्य असर छोड़ जाते हैं। उनका जोश-जुनून से भरा किरदार ध्यान खींचता है। बहादुरी के साथ-साथ एक प्रेम कहानी भी इसमें नजर आएगी।

दिनेश विजान इस फिल्म के निर्माता हैं, जिनकी हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है। उनके प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स ने ट्रेलर साझा कर कैप्शन में लिखा, वो इक्कीस का था, इक्कीस का ही रहेगा! दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स प्रस्तुत करते हैं इक्कीस। भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता- सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की एक अनकही सच्ची कहानी, जिसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। दिसंबर 225 में सिनेमाघरों में।

ट्रेलर ने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं, वहीं धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत ने भी अपने अंदाज ने दिल जीत लिए हैं। अगस्त्य की प्रेमिका की भूमिका में नजर आ रही सिमर की खूबसूरती की भी लोग तारीफ कर रहे हैं। एक ओर जहां अगस्त्य तारीफ लूट रहे हैं, वहीं लोग ये भी कह रहे हैं कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धुआं उठा देगी। कुछ का कहना है कि मैडॉक एक के बाद एक धमाके कर रहा है।

इक्कीस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है। इसमें लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के वास्तविक जीवन की कहानी देखने को मिलेगी। अरुण प्रतिष्ठित परमवीर चक्र के सबसे कम उम्र के प्राप्तकर्ता थे, जिन्होंने युद्ध के मैदान में अपने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। उस वक्त उनकी उम्र महज 21 साल थी। बता दें कि पहले फिल्म में अरुण की भूमिका के लिए वरुण धवन से संपर्क किया गया था, लेकिन उनके साथ बात नहीं बन पाई।

अदिवी शेष का डबल धमाका, मृणाल ठाकुर और वामिका गब्बी संग बड़ी हिंदी और पैन-इंडिया फिल्म में आएंगे नजर

अदिवी शेष अब पैन-इंडिया सिनेमा का नया चेहरा बनने जा रहे हैं, वो भी एक नहीं बल्कि दो बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ. ये दोनों फिल्में अलग-अलग जॉनर, पैमाने और कहानियों से भरी हुई हैं.

सबसे पहले है हिंदी फिल्म %डकोईट', जो एक्शन-थ्रिलर और गहरी लव स्टोरी का अनोखा मेल है. इस फिल्म में शेष, मृणाल ठाकुर के साथ नज़र आएंगे. फिल्म की रिलीज क्रिसमस **2025** पर होने वाली है. इसके बाद आएगी उनकी पैन-इंडिया फिल्म जी2 – गुडाचारी 2', जो उनके कल्ट स्पाई-थ्रिलर गुडाचारी का सीक्वल है. यह फिल्म 1 मई **2026** को रिलीज होगी और इसमें वामिका गब्बी भी एक दमदार किरदार में दिखेंगी.

इन दोनों फिल्मों के साथ, अदिवी शेष नेशनल लेवल पर अपनी पहचान और मज़बूत करने जा रहे हैं. खास बात यह है कि ये फिल्में एक साथ हिंदी और तेलुगु में शूट हो रही हैं ताकि हर भाषा और क्षेत्र के दर्शक इनसे जुड़ सकें.

अपने इस नए सफर के बारे में शेष ने कहा, मैं हमेशा मानता हूं कि अच्छी सिनेमा भाषा की सीमाओं से ऊपर होती है, डकोईट और जी2 के साथ मैं सिर्फ बड़े पैमाने का नहीं, बल्कि दिल को छू लेने वाला सिनेमा करना चाहता हूं, डकोईट एक इमोशनल एक्शन-थ्रिलर है जो प्यार और तड़प की कहानी कहती है, वहीं जी2 एक बड़ा स्पाई-एडवेंचर है, जो गुडाचारी की दुनिया को और आगे बढ़ाता है, दोनों फिल्मों के जॉनर और भाषा भले ही अलग हों, लेकिन इनमें भारतीय कहानियों को ग्लोबल विजन और भावनाओं की गहराई के साथ दिखाने की सच्ची कोशिश है,

मृणाल और वामिका जैसी टैलेंटेड एक्ट्रेस के साथ काम करना और इतने बड़े ख्वाब देखने वाली टीम के साथ जुड़ना, रोमांचक भी है और चुनौतीपूर्ण भी, मुझे लगता है कि अब भारतीय सिनेमा को किसी की मंजूरी का इंतजार नहीं करना चाहिए, हमें अपनी कहानियां अपने अंदाज में दुनिया को सुनानी चाहिए, और मुझे खुशी है कि मैं इस बदलाव का हिस्सा हूं.

तमन्ना भाटिया को याद आए मुश्किल दिन, बोलीं- मुझे बताना पड़ा कि मैं मुंबई से हूं

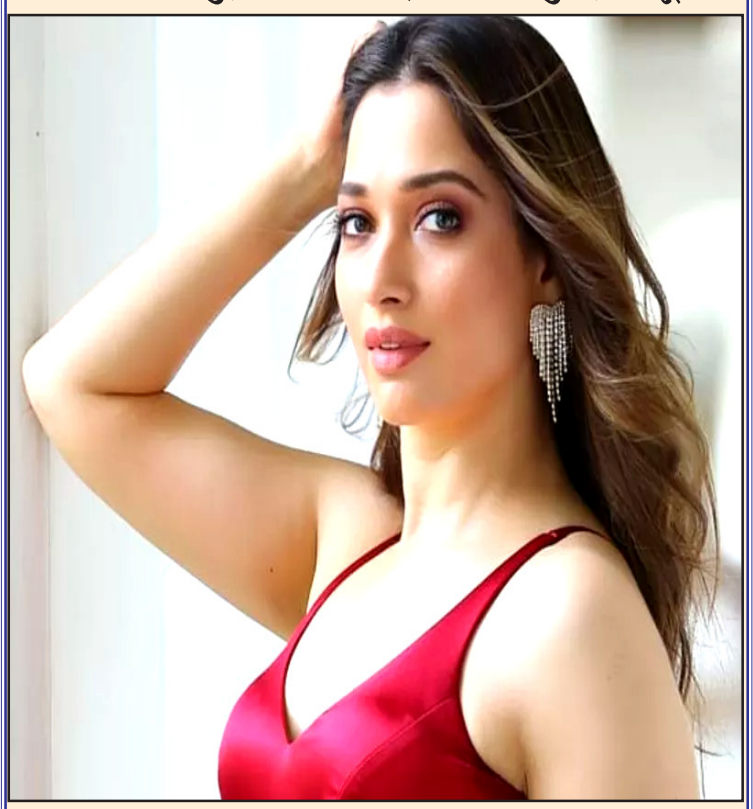

बाहुबली समेत कई दक्षिण भारतीय फिल्में कर चुकीं अभिनेत्री तमन्ना भाटिया बॉलीवुड में अपने पैर जमा चुकी हैं। यही नहीं, उनके आइटम नंबर भी काफी पसंद किये जाते हैं। एक वक्त था, जब तमन्ना को मुंबई की पैदाइश होने के बावजूद, बॉलीवुड में मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। उन्हें शहर के लोगों को यह विश्वास दिलाना पड़ा कि वह असल में वहीं से हैं। अभिनेत्री ने शुरुआती मुश्किल दौर को याद करते हुए ये खुलासा किया है।

तमन्ना ने कहा, मैं हिंदी फिल्में देखते हुए बड़ी हुई थी, इसलिए मैं उस संस्कृति को समझती थी। लेकिन हां, शुरुआत में, जब मैंने हिंदी फिल्में करना शुरू किया, तो मेरे लिए वाकई मुश्किलें आईं। उन्होंने आगे कहा, उस समय तक मैं दक्षिण में लगभग **10,** 12 साल काम कर चुकी थी। दक्षिण में मेरी इतनी गहरी अपील थी कि मुझे मुंबई में लोगों को बताना पड़ा कि मैं असल में मुंबई से हूं।

तमन्ना ने बताया कि उनके लिए बॉलीवुड और साउथ, दोनों फिल्म इंडस्ट्री उनके लिए समान महत्व रखती हैं; एक उनकी कर्मभूमि है और दूसरा उनकी जन्मभूमि। बता दें कि तमन्ना ने साल **2005** में हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से डेब्यू किया था। **2006** में उन्होंने तमिल फिल्म केडी से साउथ में कदम रखा। अभिनेत्री को हैप्पी डेज और कल्लूरी जैसी फिल्मों से पहचान मिली थी। काम की बात करें तो, तमन्ना आखिरी बार ओडेला 2 में दिखी थीं।

राम चरण की फिल्म पेद्दी से जान्हवी कपूर का फर्स्ट लुक रिलीज, अचियम्मा की भूमिका में आएंगी नजर

राम चरण अभिनीत आगामी फिल्म पेद्दी को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह बना हुआ है। आज शनिवार को फिल्म निर्माताओं ने बालीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जो फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस अचियम्मा के रोल में नजर आएंगी। फिल्म पेद्दी के निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्ट रिलीज किया है। इसमें उन्होंने अभिनेत्री जान्हवी कपूर का पहला लुक और उनके किरदार के बारे में खुलासा किया है। फिल्म का दो पोस्टर जारी हुआ है। एक में एक्ट्रेस माइक पर कुछ बोलती दिख रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने ब्लाउज में गागल फंसा रखा है। यह उनके स्वैग अंदाज को दिखा रहा है। इसके अलावा एक और पोस्टर में अभिनेत्री खुली जीप में जनता का अभिवादन स्वीकार करती दिख रही हैं। वहीं इसमें भी वह शानदार और हाट लुक में नजर आ रही हैं। यह फिल्म 27 मार्च **2026** को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को सभी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। पेद्दी में राम चरण और जान्हवी कपूर के अलावा दिव्येंदु शर्मा, शिव राजकुमार और जगपति बाबू भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कृषि मंत्री जोशी ने दिए लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के निर्देश : मिशन एप्पल और पॉलीहाउस निर्माण पर सख्ती

देहरादून, 11 नवम्बर (नि०स०)। कृषि एवं उद्यान मंत्री गणेश जोशी ने आज गढ़ी कैंट स्थित सर्किट हाउस के औद्यानिक परिषद सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कृषि एवं उद्यान विभाग के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री जोशी ने कहा कि मिशन एप्पल और सेब की अति सघन बागवानी योजना के अंतर्गत किसानों के लंबित भुगतान शीघ्र किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित किसानों का दो दिन के भीतर भौतिक सत्यापन कर लंबित भुगतान की कार्यवाही पूरी की जाए। साथ ही उन्होंने आपदा प्रभावित जनपद उत्तरकाशी के ए ग्रेड और बी ग्रेड के सेब काश्तकारों का भुगतान भी शीघ्र करने को कहा।

मंत्री जोशी ने पॉलीहाउस निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में इस विषय पर भी चर्चा हुई कि पॉलीहाउस निर्माण का कार्य एजेंसी की बजाय किसानों द्वारा स्वयं कराए जाने और सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से सब्सिडी दिए जाने की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई।

उन्होंने राज्य के सभी जिलों में स्थित राजकीय उद्यानों और पौधशालाओं में 415 माली के पदों पर भर्ती प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही जायका परियोजना के कार्यों में भी तेजी लाने को कहा। मंत्री जोशी ने अधिकारियों को ड्रैगन फ्रूट नीति, कीवी और मिलेट नीति का ब्लॉक स्तर तक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश देते हुए कहा कि चौबटिया गार्डन सहित प्रदेश के 93 राजकीय उद्यानों को रिवाइब किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हॉर्टी टूरिज्म और फ्लोरीकल्चर की अपार संभावनाओं को देखते हुए इस दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के भी सख्त निर्देश दिए।

बैठक में महानिदेशक कृषि वंदना सिंह, अपर सचिव कृषि आनंद श्रीवास्तव, निदेशक कृषि परमाराम, संयुक्त निदेशक कृषि दिनेश कुमार, अपर निदेशक उद्यान रतन कुमार, बागवानी मिशन के निदेशक महेन्द्र पाल सहित विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दिल्ली लालकिले बम विस्फोट में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि

देहरादून, 11 नवम्बर (नि०स०)। आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दिल्ली के लालकिला परिसर में हुए आतंकी बम विस्फोट में जान गंवाने वाले निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस अवसर

पर देहरादून के महापौर प्रत्याशी रहे वीरेंद्र पोखरियाल ने कहा कि देश की राजधानी के हृदयस्थल लालकिले जैसे उच्च-सुरक्षा क्षेत्र में बम धमाका होना, केंद्र सरकार की गंभीर सुरक्षा विफलता को उजागर करता है। यह केवल खुफिया एजेंसियों की चूक नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनशीलता और तत्परता पर प्रश्नचिह्न है। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इस घटना की जवाबदेही तय करनी चाहिए, क्योंकि यह घटना देश की जनता में भय और असुरक्षा का वातावरण पैदा करती है। कांग्रेस मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने मांग करी कि राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की समग्र समीक्षा की जाए, खुफिया तंत्र की कमियों को उजागर करने वाली स्वतंत्र जांच समिति गठित हो, और पीड़ित परिवारों को तत्काल सहायता व न्याय सुनिश्चित किया जाए। गरिमा ने कहा कि यह समय सियासत का नहीं, जवाबदेही का है। देश को मजबूत नेतृत्व चाहिए जो केवल भाषण न दे, बल्कि जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करे। कांग्रेस पार्टी देश की एकता, अखंडता और शांति के पक्ष में खड़ी है और आतंक के हर रूप का पुरजोर विरोध करती है। मौन धारण करने वालों में देवेंद्र सिंह,संजय कनौजिया,महिपाल शाह,ओम प्रकाश सती,शीशपाल बिष्ट, महेश जोशी,सुलेमान अली,मोहन कुमार काला,कैलाश वाल्मीकि,दीपक पंवार ,संजय बिड़ला , ललित बद्री, वीरेन्द्र पंवार, शरीफ़ अहमद वेग,मौनी मेहता ,सूरज क्षेत्री,अनिल बागड़ी,संजय थापा,शुभम चंद,हर्ष बागड़ी वैभव सोनकर, हरजिंदर सिंह लक्की,,प्रवीन नौटियाल,विकास शर्मा,मनमोहन शामिल रहे।

नीलम का होमस्टे - आत्मनिर्भरता की मिसाल, होमस्टे योजना से चकराता की नीलम को मिली नई उड़ान

देहरादून, 11 नवम्बर (नि०स०)। उत्तराखंड अपनी लोक संस्कृति, तीर्थ स्थल के साथ साथ साहसिक पर्यटन का केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी पर्यटन गतिविधियों को लगातार आगे बढ़ाने में जुटे है। पर्यटन गतिविधियों को लेकर प्रदेश सरकार के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाएं पहाड़ के लोगों के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। इसका जीता जागता उदाहरण देहरादून जनपद के चकराता ब्लॉक की रहने वाली नीलम चौहान ने पेश किया है। इन्हें हाल ही में रजत जयंती वर्ष के अवसर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सर्वश्रेष्ठ होमस्टे संचालक के तौर पर पुरस्कृत किया गया।

चकराता ब्लॉक की ग्राम पाटी की निवासी नीलम चौहान ने वर्ष 2022-23 में स्वरोजगार हेतु पर्यटन विभाग की पंडित दीनदयाल उपाध्याय होमस्टे योजना के अंतर्गत 15 लाख की राजकीय सहायता प्राप्त कर होमस्टे व्यवसाय शुरू किया। पहाड़ी वास्तुकला से बना नीलम का ''हरुल-ए-बुटीक होमस्टे'' बड़े पैमाने पर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। साथ ही स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा दे रहा है। चकराता की पहाड़ियों में बसा नीलम चौहान का 06 भवन और डाइनिंग हॉल समेत कॉटेज वाला हरुल-ए-बुटीक होमस्टे पर्यटकों को चकराता की सुंदर वीडियो का भी अनुभव कर रहा है। जहां से पर्यटक सीधे टाइगर फॉल, देवबन, बंदरपंच के बर्फीले शिखर के साथ चकराता की सुंदरता को निहार रहे हैं। पहाड़ी व्यंजनों जैसे मंडवा की रोटी, गहत का शूप, झगोरे की खीर का स्वाद इस होमस्टे में पर्यटकों का दिल छू रहा है। इस होमस्टे के व्यवसाय से नीलम प्रति वर्ष 25 से 30 लाख की आय अर्जित कर रही है। नीलम ने पर्यटकों की सुख सुविधाओं के साथ गांव के 07 लोगों को होमस्टे में रोजगार देकर जॉब गिवर के तौर पर भी मिसाल पेश की है।

नीलम चौहान ने बताया कि सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं वास्तव में महिलाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। पर्यटन विभाग से पंडित दीनदयाल उपाध्याय होम स्टे योजना से उन्होंने अपना होम स्टे बनाकर तैयार किया। होमस्टे से वह सालाना 25 से 30 लाख की आय कमा रही है। उन्होंने बताया कि होमस्टे में पहाड़ी व्यंजनों के साथ यहां की सुंदरता भी पर्यटकों को काफी लुभा रही है।

नीलम ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मिले पुरस्कार से मेरा आत्म मनोबल बड़ा है। महिलाएं इस रोजगार से जुड़कर अपने आप को आत्मनिर्भर बना सकती हैं। जिला पर्यटन अधिकारी वृजेन्द्र पांडेय ने बताया कि जनपद देहरादून की चकराता निवासी नीलम चौहान ने पर्यटन विभाग की पंडित दीन दयाल उपाध्याय होम स्टे योजना का लाभ लिया। जिससे कि वे स्वरोजगार से जुड़कर न केवल आत्मनिर्भर बनी है, बल्कि आसपास के लोगों को रोजगार देकर एक प्रेरणा का काम कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहित करने हेतु युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के प्रति प्रतिबद्धता और पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल से आज चकराता की नीलम चौहान स्वरोजगार की राह पर अनेक लोगों के लिए भी प्रेरणा स्रोत का काम कर रही है।

ग्राम विकास को नई दिशा - त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव का शंखनाद, तारीखें तय

देहरादून, 11 नवम्बर (नि०स०)। राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तराखण्ड ने त्रिस्तरीय पंचायतों के रिक्त पदों पर उप चुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया है। समस्त ग्राम पंचायत सदस्यों, ग्राम पंचायत प्रधान, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत सदस्यों के सभी रिक्त पदों पर 13 से 22 नवंबर,2025 तक उप निर्वाचन संपन्न कराए जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पं.)/जिलाधिकारी सविन बंसल ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से पंचायत के रिक्त पदों पर उप चुनाव की अधिसूचना जारी की गई है। उन्होंने सभी निर्वाचन एवं सहायक निर्वाचन अधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार उप निर्वाचन की समस्त व्यवस्थाओं को त्रुटिरहित समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार जनपद में 13 व 14 नवम्बर को नाम निर्देशन पत्र जमा करने की तिथि तय की गई है। जबकि 15 नवम्बर को नाम निर्देशन पत्रों की जांच, 16 नवम्बर को प्रातः 10 बजे से शाम 3.00 बजे तक नाम वापसी और 3.00 बजे बाद प्रतीक चिन्ह आवंटन किया जाएगा। सभी रिक्त पदों पर 20 नवंबर,2025 को मतदान होगा। जबकि 22 नवंबर,2025 को मतगणना का कार्य संपन्न कर चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। सदस्य ग्राम पंचायत, ग्राम प्रधान तथा क्षेत्र पंचायत सदस्यों के नाम निर्देशन पत्रों की बिक्री, नामांकन, जांच, प्रतीक चिन्ह आवंटन, नाम वापसी एवं मतगणना का कार्य संबंधित विकासखंड मुख्यालय पर तथा जिला पंचायत सदस्यों के लिए बिक्री, नामांकन, जांच, प्रतीक चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया जिला पंचायत मुख्यालय पर होगी लेकिन मतगणना का कार्य संबंधित क्षेत्र पंचायतों के मुख्यालय पर किया जाएगा और निर्वाचन परिणाम जिला पंचायत मुख्यालय पर घोषित किया जाएगा। जनपद देहरादून के अंतर्गत ग्राम पंचायत सदस्य के 804 पद रिक्त है। जिन पर उप निर्वाचन होना है। विकासखंड चकराता में 266, कालसी में 234, विकास नगर में 74, सहसपुर में 53, रायपुर में 135 तथा डोईवाला में 42 पद रिक्त है।

प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष': देहरादून के सरकारी स्कूल बने आधुनिक शिक्षा के मंदिर

देहरादून, 11 नवम्बर (नि०स०) प्रोजेक्ट उत्कर्ष अन्तर्गत देहरादून जिले के सरकारी स्कूल अब सुविधा सम्पन्न हो गए हैं। जिलाधिकारी स्वंय इन कार्यों की मॉनिटिरिंग कर रहे हैं। मा0 मुख्यमंत्री की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में जिलाधिकारी सविन बसंल ने जिले के सरकारी स्कूलों को सुविधायुक्त करने तथा निजी स्कूलों के समान सुविधाओं के लिए कमर कसी तथा जिले की कमान संभालते ही स्वास्थ्य, शिक्षा की के क्षेत्र में कार्य किए। जिला प्रशासन ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधायुक्त बनाने के लिए प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष'' के माध्यम से मिशन के रूप में कार्य किया तथा निरंतर कार्यों की समीक्षा की उसी का नतीजा रहा है जिले के सरकारी स्कूल, अवस्थापना, उपकरण, खेल सुविधाओं से युक्त हो रहे हैं। बच्चों को शिक्षा के साथ ही खेल से भी जोड़े रखने हेतु सरकारी स्कूलों में खेल अवस्थापना सुविधा स्थापित की गई है। प्रोजेक्ट ''उत्कर्ष'' के तहत् जनपद के सभी सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लसारूम, लाईब्रेरी, वाइटबोर्ड, कक्षाओं में एलईडी बल्ब, खेल मैदान विद्यालयों में शुद्ध पेयजल के लिए 379 टंकी, 820 मंकी नेट लगाए गए हैं। प्राथमिक विद्यालय में 428 बेबी स्लाईड, 321 झूले, माध्यमिक विद्यालयों में 77 बॉलीबॉल, 129 बैडमिंटन कोर्ट, 474 विद्यालयों में ज्ञानवर्धक पेंटिंग्स बनाए गए हैं। ओएनजीसी द्वारा 34 विद्यालयों में 1974 फर्नीचर सेट, हुडको द्वारा 629 प्राथमिक विद्यालयों में 567 फर्नीचर सेट लगाए गए है। वहीं जिला खनिज न्यास से 39 प्राथमिक विद्यालयों तथा 80 माध्यमिक विद्यालयों के लिए 4260 फर्नीचर सेट प्रदान किए गए हैं। 168 विद्यालयों में डिजिटल लर्निंग हेतु स्मार्ट टीवी लगाने की प्रक्रिया गतिमान है। साथ ही जिले के तीन कस्तूरबा गांधी बोर्डिंग विद्यालय त्यूनी, कोराबा, कालसी सुविधा सम्पन्न हो रहे है, जिनमें डिजिटल स्मार्ट बोर्ड, प्रिन्टर, इन्टरनेट कनैक्शन, इन्वर्टर, सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर, फर्नीचर, डाईनिंग टेबल, स्टडी टेबल, डबल डेकर बोर्ड, वाटर प्यूरीफायर, वाशिंग मशीन, रेफ्रीजरेटर, रोटीमेकर, वाटर गीजर, बच्चों के टेउकसूट, स्पोर्टस शूज, उपलब्ध कराए जा रहे है।

सम्पादन मण्डल

समाचार सम्पादक:: **डॉ. वी.डी. शर्मा**

संवाददाता: **रजत शर्मा**

संरक्षक सलाहकार: **डा. अश्विनी काम्बोज**

कानूनी सलाहकार: विनोद गोयल, अश्वनी मुद्गल एडवोकेट।

देवपथ

हिन्दी सांध्य संस्करण

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमती सुषमा शर्मा के लिए अभिप्रेरणा प्रिंटर्स, बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) प्रकाशित।

सम्पादक : **रामेश्वर दत्त शर्मा**

नोट:- मुद्रित सामग्री के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है। वाद-विवाद का क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा।

मोबाईल: 9358129177, 9557316580